सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट

2022-23

SFAC
लघु कृषक
कृषि व्यापार संघ

वार्षिक रिपोर्ट
2022-23

लघु कृषक कृषि व्यापार संघ
(कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार के अधीन समिति)

विषय-सूची

अध्याय सं.	शीर्षक सं.	पृष्ठ सं.
1.	मिशन और संगठनात्मक संरचना	3-6
2.	विभिन्न योजनाओं के तहत किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को बढ़ावा देना	7-8
3.	10,000 किसान उत्पादक संगठनों के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना	9-11
4.	**10,000** किसान उत्पादक संगठनों के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत शेयर पूंजी अनुदान	12-12
5.	मत्स्य-पालन कृषक उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) का गठन और संवर्धन	13-13
6.	राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन के तहत एफपीओ को समर्थन	14-14
7.	एफपीओ किसान बाजार (पूर्व में दिल्ली किसान मंडी) के नाम से ज्ञात	15-15
8.	राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (ई-नाम)	16-37
	अनुबंध-I एसएफएसी के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	38-39
9.	एसएफएसी के वित्तीय वर्ष 2022-23 के वार्षिक लेखे	40-86

मिशन और संगठनात्मक संरचना

1.1 प्रस्तावना

भारतीय कृषि क्षेत्र पिछले छह वर्षों के दौरान 4.6 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है। 2021-22 में 3.0 प्रतिशत की तुलना में 2022-23 में इसमें 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह क्षेत्र फिर से भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ साबित हुआ है, जिसका 2022-23 में देश के सकल मूल्य वर्धन में योगदान 18.3% है। कृषि रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह आधी से अधिक आबादी को आजीविका प्रदान करता है। 2022-23 में वास्तविक समय में जीडीपी 8.85% बढ़ने का अनुमान है। 70% ग्रामीण परिवार अपनी आजीविका के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्र पर निर्भर हैं, जबकि 82% किसान छोटे और सीमांत हैं (खाद्य और कृषि संगठन इंडिया एट ग्लांस)।

2. छोटी और सीमांत जोत (2.00 हेक्टेयर से कम) को मिलाकर 2005-06 में 83.29% के मुकाबले 2015-16 में 86.20% थी और 2005-06 में स्वामित्व वाला संचालित क्षेत्र का आंकड़ा 41.14% (कृषि जनगणना 2015-16) था, जबकि कृषि जनगणना 2015-16 में फसल क्षेत्र का सिर्फ 47.30% था। परिचालन जोत की संख्या और क्षेत्र पर अखिल भारतीय रिपोर्ट, कृषि जनगणना प्रभाग कृषि विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार 2014 खंडित भूमि जोत के अलावा, छोटे और सीमांत किसानों को गहन श्रम भागीदारी, उत्पादन की उच्च लागत, कम उत्पादकता, उच्च इनपुट लागत, परिचालन अर्थव्यवस्थाओं के कारण खेत के मशीनीकरण की कम दर, ऋण की कमी, कम लाभ मार्जिन, बाज़ार जोखिम के प्रति संवेदनशीलता और बाज़ार जुड़ाव और जानकारी की कमी की समस्या का सामना करना पड़ता है। आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 अध्याय 7 कृषि और खाद्य प्रबंधन में उल्लेख किया गया है कि उत्पादकता, ऋण, निवेश में वृद्धि करके पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, बेहतर विपणन संबंध आदि सहित कृषि और संबद्ध क्षेत्र के विकास के लिए सरकार के विभिन्न हस्तक्षेपों के कारण इस क्षेत्र को नए सिरे से महत्त्व मिला है। आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 अध्याय 8 कृषि और खाद्य प्रबंधन में उल्लेख किया गया है कि मशीनीकरण और कृषि अवसंरचना कोष के निर्माण के लिए प्रदान की गई सहायता के माध्यम से कृषि, किसान-उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने और उत्पादकता में सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए उपायों को उत्साहजनक निष्पादन की अवधि माना जा सकता है।

3. छोटे और सीमांत किसानों का एकत्रीकरण/सामूहीकरण उन्हें सौदेबाजी की शक्ति प्रदान करता है और उन्हें आधुनिक प्रौद्योगिकी, कृषि मशीनीकरण, संचालन की लागत कम करने, कस्टम सेवा, सस्ती इनपुट आपूर्ति, उपज के लिए लाभकारी मूल्य और कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का लाभ उठाने के लिए एक व्यवहार्य आर्थिक इकाई बनाता है। यह भूमि संसाधनों की पूलिंग, बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज के माध्यम से व्यावसायिक गतिविधियों के विविधीकरण, ऋण तक आसान पहुंच एवं बाजार की जानकारी के माध्यम से कृषि उत्पादकता को बढ़ाता है।

4. केंद्रीय क्षेत्र योजना- "किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का गठन और संवर्धन" योजना का शुभारंभ 29 फरवरी, 2020 को यूपी के चित्रकोट में भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई थी। 2023-24 तक देश भर में 10,000 एफपीओ बनाने का निर्णय लिया गया था।

5. एसएफएसी के माध्यम से सरकार की क्रियान्वित योजना/कार्यक्रम जैसे किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन, शेयर पूंजी अनुदान, ई-नाम, दिल्ली किसान बाज़ार, कृषि विपणन, कृषि वित्तपोषण एवं कृषि प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में पिछड़े और आगे के लिंकेज का समर्थन करता है, जिससे उपज का मूल्यवर्धन होगा। फार्मगेट पर सीधी खरीद और कृषि प्रसंस्करण इकाइयों के जुड़ाव से छोटे किसानों को लाभ होता है। संस्थागत ऋण और विपणन नेटवर्क तक पहुंच बढ़ाकर कृषि व्यवसाय में एफपीओ/कृषि उद्यमियों को प्रोत्साहित करने से कृषि क्षेत्र में अग्रिम एवं पश्चवर्ती संबंधों के प्रोत्साहन द्वारा देश की आर्थिक वृद्धि तथा छोटे और सीमांत किसानों के वित्तीय समावेशन में योगदान मिलेगा।

1.2 एसएफएसी की स्थापना

ग्रामीण रोजगार पैदा करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल बनाने की मौजूदा आवश्यकता को महसूस करते हुए, तत्कालीन माननीय वित्त मंत्री ने वर्ष 1992-93 के अपने बजट भाषण में लघु कृषक कृषि व्यापार संघ की स्थापना के लिए भारत सरकार की नई पहल के निर्णय की निम्नलिखित शब्दों में घोषणा की: "विभिन्न प्रकार के कृषि व्यवसाय के समर्थन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आय और रोजगार पैदा करने के लिए नवीन विचारों का समर्थन करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है" । 1994 में लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (एसएफएसी) की स्थापना कृषि-आधारित उद्योगों में नए उद्यमों के माध्यम से कृषि-केंद्रित विकास लाने और सुविधाजनक बनाने के लिए उपरोक्त घोषणा की अगली कड़ी थी। एसएफएसी एक विकासात्मक संस्थान के रूप में उभरा है, जिसका मुख्य उद्देश्य उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि, मूल्य संवर्धन, उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच कुशल संबंधों के प्रावधान पर केंद्रित है। व्यापक अर्थों में एसएफएसी कृषि, मत्स्य पालन और बागवानी से संबंधित है।

1.3 एसएफएसी का विज़न और मिशन

I. आय और ग्रामीण रोजगार पैदा करने के लिए निजी निवेश को उत्प्रेरित करके कृषि व्यवसाय परियोजनाओं को बढ़ावा देना; और

II. कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए आगे और पीछे के लिंकेज के साथ उत्पादक संगठनों के रूप में किसानों के एकत्रीकरण को बढ़ावा देना।

1.4 संगठनात्मक ढांचा

एसएफएसी की परिकल्पना कृषि-व्यवसाय गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक उत्प्रेरक/सुविधा प्रदान करने वाली एजेंसी के रूप में की गई है। इस संगठन के कानूनी स्वरूप के संबंध में विभिन्न विकल्पों पर गौर करने के बाद, योजना आयोग ने निर्णय लिया कि एसएफएसी का उपयुक्त संगठनात्मक स्वरूप सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी होगी। तदनुसार, इसे भारत सरकार द्वारा उपयुक्त माना गया। इसे सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत करना, जिसे शुरुआत में भारत सरकार और बैंकों द्वारा प्रचारित किया गया था। इसके बाद, एसएफएसी को 18 जनवरी, 1994 को एक

सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था और यह कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में एक विकासात्मक संस्थान के रूप में कार्य कर रही है। वर्तमान में, एसएफएसी की कुल सदस्यता राशि 11.45 करोड़ रुपये है। उपरोक्त कॉर्पस को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार प्रमोटर सदस्यों, प्राथमिक सदस्यों और सहयोगी सदस्यों (बिना मतदान के अधिकार के) द्वारा योगदान दिया गया था:

	सदस्यों के प्रकार	सदस्यता शुल्क (करोड़ में)
I	**प्रमोटर सदस्य**	
i)	भारत सरकार	0.75
ii)	राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक	1.50
iii)	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	1.50
iv)	भारतीय स्टेट बैंक	1.50
v)	पंजाब नेशनल बैंक	1.50
II	**प्राथमिक सदस्य**	
i)	केनरा बैंक	0.50
ii)	एग्रीनेट सॉल्यूशंस लिमिटेड, मुंबई	0.50
iii)	भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ लिमिटेड, नेफेड, नई दिल्ली	0.20
iv)	बैंक ऑफ बड़ौदा	0.50
III	**स्थायी आमंत्रित सदस्य**	
i)	भारतीय निर्यात-आयात बैंक	1.50
	योग	**11.45**

1.5 प्रबंधन और प्रशासनिक व्यवस्था

सोसायटी के संस्था के अंतर्नियम में 23 सदस्यों वाले एक प्रबंधन बोर्ड का प्रावधान है। एसएफएसी के प्रबंधन बोर्ड की अध्यक्षता, पदेन तौर पर माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री द्वारा की जाती है, और सचिव (कृषि एवं किसान कल्याण), भारत सरकार, पदेन उपाध्यक्ष के रूप में होते हैं। एसएफएसी का मुख्य कार्यकारी बोर्ड का सदस्य-सचिव होगा। सोसायटी के अन्य प्रमोटर सदस्यों में से प्रत्येक के पास सोसायटी के प्रबंधन बोर्ड में गैर-वैकल्पिक स्थायी सीट होगी। शेष सदस्यों में से सात को केंद्र या राज्य सरकार और अर्ध-सरकारी संगठनों के संबंधित मंत्रालयों/विभागों और अन्य सक्षम व्यक्तियों से राष्ट्रपति द्वारा नामित किया जाएगा और आठ को सोसायटी के प्राथमिक सदस्यों द्वारा चुना जाएगा। सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के प्रावधानों के अनुसार, प्रमोटर सदस्य स्थायी हैं और कोई भी प्रमोटर सदस्य सोसायटी के मामलों और व्यवसाय से खुद को अलग करने का हकदार नहीं है। प्रबंधन बोर्ड ने तीन समितियों का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता कार्यकारी समिति करती है। सोसाइटी के उपाध्यक्ष द्वारा प्रबंधन बोर्ड को प्रस्तुत करने के लिए महत्वपूर्ण मामलों के साथ-साथ अन्य कार्यकारी मामलों पर विचार-विमर्श करने के लिए, उद्यम पूंजी सहायता और स्थायी लेखापरीक्षा की मंजूरी के लिए कृषि-व्यवसाय प्रस्तावों पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में निवेश समिति एसएफएसी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता वाली समिति है।

सोसायटी के दिन-प्रतिदिन के मामलों की देखभाल प्रबंध निदेशक द्वारा की जाती है और उचित स्तर पर अन्य कर्मियों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

1.6 एसएफएसी के संसाधन

सोसायटी का एक एसएफएसी फंड है जिसमें निम्नलिखित मदों से प्राप्त राशि जमा की जाती है:

क. सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सभी धनराशि,
ख. सदस्यों से प्राप्त सभी सदस्यताएँ और शुल्क,
ग. सोसायटी द्वारा उपहार वस्तुओं से उत्पन्न या अनुदान और दान के माध्यम से प्राप्त सभी धनराशि; और
घ. सोसायटी द्वारा किसी अन्य तरीके से या किसी अन्य स्रोत से प्राप्त सभी धनराशि।

स्थापना और अन्य राजस्व व्यय सदस्यता कॉर्पस फंड पर अर्जित ब्याज और योजनाओं से संबंधित कार्यों के लिए प्रदान की गई सेवाओं से प्राप्त आय से पूरा किया जा रहा है। एसएफएसी द्वारा प्राप्त दान, यदि कोई हो, को भारतीय आयकर अधिनियम 196 की धारा 18(जी) के तहत आयकर से छूट दी गई है। वर्ष 2022-23 के लिए प्रबंधन बोर्ड (बीओएम)/शासी निकाय के सदस्यों की सूची **अनुलग्नक-I** में संलग्न है।

विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओएस) का संवर्धन

एसएफएसी को कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन में राज्य सरकारों का समर्थन करने के लिए अनिवार्य किया गया है। शहरी समूहों के लिए सब्जी पहल (वीआईयूसी) और वर्षा आधारित क्षेत्रों में 60,000 दलहन गांवों के एकीकृत विकास के लिए दो केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत 2011-12 में शुरू की गई पहल का दायरा बढ़ गया है इसमें सामान्य आरकेवीवाई निधियों के साथ-साथ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम), एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच), पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए जैविक मूल्य श्रृंखला विकास मिशन (एमओवीसीडी-एनईआर) और पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग के तहत राष्ट्रीय निष्पादन परियोजना के तहत कुछ राज्य सरकारों द्वारा शुरू की जा रही विशेष एफपीओ परियोजनाएं सम्मिलित हैं।

31 मार्च, 2023 तक, 8.92 लाख किसानों को संगठित करने के लक्ष्य के मुकाबले 8.92 लाख छोटे और सीमांत किसानों की पहचान की गई है और उन्हें 52,475 किसान हित समूहों (एफआईजी) में गठित किया गया है। इन एफआईजी को आगे एफपीओ में संघीकृत किया गया है और अब तक, 901 एफपीओ पंजीकृत हो चुके हैं और 9 पंजीकरण की प्रक्रिया में हैं।

क्र.सं.	राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	किसानों की संख्या			एफपीओ की संख्या		
		जुटाए	लामबंदी के तहत	कुल लक्षित किसान	पंजीकृत	पंजीकरण की प्रक्रिया के तहत	कुल
1	आंध्र प्रदेश	15499	0	15300	16	0	16
2	अरुणाचल प्रदेश	4750	0	4750	6	0	6
3	असम	12331	0	10500	18	0	18
4	बिहार	36958	0	35600	38	0	38
5	छत्तीसगढ़	29436	0	29000	26	2	28
6	दिल्ली	3535	0	3500	4	0	4
7	गोवा	1810	0	1750	2	0	2
8	गुजरात	25462	0	24000	25	0	25
9	हरियाणा	14081	0	12750	23	0	23
10	हिमाचल प्रदेश	7213	0	7150	8	0	8
11	जम्मू एवं कश्मीर						
	जम्मू (डिवीजन)	5854	0	5481	1	0	1
	श्रीनगर (डिवीजन)	4090	0	4080	1	0	1
12	झारखंड	12009	0	12000	10	0	10
13	कर्नाटक	128827	0	128500	126	0	126

14	मध्य प्रदेश	139252	10748	150000	149	0	149
15	महाराष्ट्र	106012	0	104500	105	0	105
16	मणिपुर	6450	500	6950	8	0	8
17	मेघालय	2990	760	3750	3	1	4
18	मिजोरम	1700	1000	2700	1	1	2
19	नगालैंड	3450	300	3750	4	0	4
20	ओडिशा	38605	295	38900	41	0	41
21	पंजाब	6288	0	6000	7	0	7
22	राजस्थान	60303	197	60500	50	0	50
23	सिक्किम	18537	0	15750	30	0	30
24	तमिलनाडु	15168	1832	17000	13	4	17
25	तेलंगाना	30048	0	29998	26	0	26
26	त्रिपुरा	4705	1045	5750	7	0	7
27	उत्तराखंड	6004	0	6000	7	0	7
28	उत्तर प्रदेश	57370	0	56000	57	1	58
29	पश्चिम बंगाल	93784	0	90500	89	0	89
योग		892521	16677	892409	901	9	910

केंद्रीय क्षेत्र योजना के लिए 10,000 किसान उत्पादक संगठन के गठन और संवर्धन

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 29.02.2020 को उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में "10,000 किसान उत्पादक संगठनों के गठन और संवर्धन" हेतु केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) का शुभारंभ किया गया।

आर्थिक रूप से टिकाऊ एफपीओ को समान और प्रभावी तरीके से बनाने और बढ़ावा देने के लिए 10,000 नए एफपीओ के गठन के लक्ष्य को करने के लिए देश में पंद्रह (15) कार्यान्वयन एजेंसियां हैं।

योजना की मुख्य विशेषताएं:

- राष्ट्रीय स्तर पर, राष्ट्रीय परियोजना प्रबंधन एजेंसी (एनपीएमए) समग्र परियोजना मार्गदर्शन, एकीकृत पोर्टल के माध्यम से डेटा रखरखाव और सूचना प्रबंधन और निगरानी प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होगी। एनपीएमए राष्ट्रीय स्तर पर समग्र मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए कृषि/बागवानी, विपणन और प्रसंस्करण, ऊष्मायन सेवा, आईटी/एमआईएस और कानून और लेखांकन में विशेषज्ञता की पांच श्रेणियों के साथ तकनीकी टीम से लैस होगा।
- एफपीओ का गठन क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठनों (सीबीबीओ) के माध्यम से किया जाएगा और एफपीओ को 5 वर्ष की अवधि के लिए व्यावसायिक व्यवस्था समर्थन दिया जाएगा।
- **एफपीओ प्रबंधन लागत प्रति एफपीओ 18 लाख रुपये** कर्मचारियों के वेतन, एफपीओ के पंजीकरण, कार्यालय किराया और उपयोगिता शुल्क, मामूली उपकरण लागत, यात्रा और विविध खर्च आदि के लिए प्रदान किए जाएंगे।
- **सीबीबीओ के गठन और इनक्यूबेशन** लागत अधिकतम 25 लाख रूपये/एफपीओ या वास्तविक समर्थन से कम है, गठन के वर्ष से पांच वर्ष के लिए प्रदान किया जाना है।
- **शेयर पूंजी अनुदान**, एफपीओ के प्रति किसान सदस्य को 2,000 रुपये मिलान अनुदान के रूप में प्रति एफपीओ अधिकतम 15.00 लाख रुपये तक प्रदान किया जाएगा।
- **क्रेडिट गारंटी,** प्रति एफपीओ ऋण कवर प्रोजेक्ट के मामले में 2.00 करोड़ रुपये तक सीमित होगा। 1 करोड़ के परियोजना ऋण तक, क्रेडिट गारंटी कवर 85.00 लाख रुपये की सीमा के साथ बैंक योग्य परियोजना ऋण का 85% होगा; जबकि 1.00 करोड़ से ऊपर और 2.00 करोड़ रुपये तक परियोजना ऋण के मामले में अधिकतम सीमा रुपये 150.00 लाख और क्रेडिट गारंटी कवर बैंक योग्य परियोजना ऋण का 75% होगा।
- **प्रशिक्षण सहायता -** नाबार्ड द्वारा प्रवर्तित बैंकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट (बीआईआरडी), लखनऊ को नाबार्ड और एसएफएसी द्वारा प्रवर्तित एफपीओ और अन्य अनुमति प्राप्त/नामित कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नोडल प्रशिक्षण संस्थान के रूप में नामित किया गया है, चाहे वे कंपनी अधिनियम के भाग IX ए के तहत शामिल हों या सहकारी समिति अधिनियम के तहत पंजीकृत। बीआईआरडी अन्य प्रतिष्ठित संगठनों जैसे एनआईआरडी, मैनेज, एनआईएएम, निफ्टेम,

वामनिकॉम और ऐसे अन्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संस्थानों जैसे आईआरएमए, आनंद और एएससीआई, हैदराबाद, केवीके और अन्य राष्ट्रीय स्तर के प्रबंधन और कौशल विकास संस्थान आदि राज्य और केंद्र सरकार के कृषि विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय स्तर के कौशल विकास विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी में काम करेगा।

योजना के तहत एफपीओ का गठन और संवर्धन:

- योजना के आदेश के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर, मेसर्स अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी को समग्र परियोजना मार्गदर्शन, एकीकृत पोर्टल/एमआईएस के माध्यम से डेटा रखरखाव, सूचना प्रदान करने,प्रबंधन और निगरानी के लिए एक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से एसएफएसी द्वारा एक राष्ट्रीय परियोजना प्रबंधन एजेंसी (एनपीएमए) के रूप में नियुक्त किया गया है।

- एसएफएसी एक केंद्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) के रूप में कार्य कर रही है और 10,000 किसान उत्पादक संगठनों के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत क्रियान्वयन एजेंसियों में से एक है।

- 31.03.2023 तक अनुमोदित सीबीबीओ के चयन के लिए पात्रता मानदंड के अनुसार, एसएफएसी ने 178 क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठनों (सीबीबीओ) को सूचीबद्ध किया है।
- एसएफएसी द्वारा 10,000 एफपीओ के गठन और संवर्धन की केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत 31.03.2023 तक राज्यवार पंजीकृत एफपीओ का विवरण इस प्रकार है-

क्र. सं.	राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	कुल पंजीकृत एफपीओ
1	आंध्र प्रदेश	43
2	अरुणाचल प्रदेश	5
3	असम	74
4	बिहार	118
5	छत्तीसगढ	46
6	गुजरात	87
7	हरियाणा	50
8	हिमाचल प्रदेश	44
9	जम्मू एवं कश्मीर	41
10	झारखंड	66
11	कर्नाटक	35
12	केरल	35
13	मध्य प्रदेश	193
14	महाराष्ट्र	157
15	मणिपुर	8

16	मेघालय	1
17	मिजोरम	10
18	नगालैंड	8
19	ओडिशा	115
20	पंजाब	26
21	राजस्थान	145
22	तमिलनाडु	62
23	तेलंगाना	69
24	त्रिपुरा	11
25	उत्तर प्रदेश	372
26	उत्तराखंड	37
27	पश्चिम बंगाल	80
योग		**1938**

10,000 किसान उत्पादक संगठनों के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत शेयर पूंजी अनुदान

शेयर पूंजी अनुदान 10,000 किसान उत्पादक संगठनों के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत प्रति एफपीओ निर्धारित 15.00 लाख रुपये की अधिकतम सीमा के अधीन एफपीओ के प्रति किसान सदस्य 2,000 रुपये तक के समतुल्य अनुदान के रूप में होगा। यह शेयर पूंजी अनुदान सरकारी भागीदारी के रूप में नहीं है, बल्कि केवल किसान सदस्यों की शेयर के रूप में एफपीओ हेतु एक समतुल्य अनुदान के रूप में है। मैदानी इलाकों में न्यूनतम 300 किसान-सदस्यों वाले एफपीओ योजना के तहत पात्र होंगे, जबकि उत्तर-पूर्वी और पहाड़ी क्षेत्रों (केंद्रशासित प्रदेशों के ऐसे अन्य क्षेत्रों सहित) में 100 के आकार वाले पात्र होंगे। एफपीओ को प्रति एफपीओ 15 लाख रुपये की सीमा के अधीन अधिकतम तीन किश्तों में (पहले आवेदन के 4 वर्ष की अवधि के भीतर और सीबीबीओ की व्यवस्थापन अवधि के भीतर) समतुल्य शेयर पूंजी अनुदान निकालने की अनुमति दी जाएगी।

2022-23 के दौरान 10000 एफपीओ शेयर पूंजी अनुदान योजना की राज्यवार स्वीकृत परियोजना

राज्य	2022-23 के दौरान मामलों की संख्या	स्वीकृत शेयर पूंजी अनुदान की राशि (लाख रूपये में)	राज्य	2022-23 के दौरान मामलों की संख्या	स्वीकृत शेयर पूंजी अनुदान की राशि (लाख रूपये में)
आंध्र प्रदेश	23	73.36	महाराष्ट्र	53	251.99
अरुणाचल प्रदेश	1	1.00	मेघालय	1	1.18
असम	15	27.25	मिजोरम	5	2.77
बिहार	33	84.91	नगालैंड	1	1.19
छत्तीसगढ	17	56.24	ओडिशा	36	135.63
गुजरात	24	91.06	पंजाब	10	51.15
हरियाणा	33	199.75	राजस्थान	48	168.29
हिमाचल प्रदेश	20	60.31	तमिलनाडु	30	256.28
जम्मू एवं कश्मीर	8	19.75	तेलंगाना	21	80.02
झारखंड	17	48.03	त्रिपुरा	6	8.64
कर्नाटक	12	53.28	उत्तर प्रदेश	65	204.59
केरल	8	48.40	उत्तराखंड	10	10.07
मध्य प्रदेश	35	129.02			
2022-23 के दौरान **532** मामलों में **2064.14** लाख रुपये की मंजूरी दी गई और **170238** किसान लाभान्वित हुए।					

मत्स्य पालन कृषक उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) का गठन एवं संवर्धन

एसएफएसी मत्स्य कृषक उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) के गठन और संवर्धन के लिए मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय भारत सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई.) दिशानिर्देश (2021) के तहत क्रियान्वयन संस्था में से एक है। (पी.एम.एम.एस.वाई.) का उद्देश्य एक समान और प्रभावी तरीके से एफएफपीओ को बढ़ावा देना और एफएफपीओ को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाना है। मत्स्य पालन विभाग ने मत्स्य एफपीओ के गठन और संवर्धन के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी मॉडल के तहत 50 मत्स्य एफपीओ को 2100 लाख रुपये और को-ऑपरेटिव मॉडल के तहत 500 मत्स्य एफपीओ को 11000 लाख रुपये स्वीकृत और आवंटित किए हैं। कंपनी मॉडल के तहत प्रति मत्स्य एफपीओ के लिए परियोजना लागत 42.00 लाख रुपये है, जबकि को-ऑपरेटिव मॉडल के लिए 22.00 लाख रुपये है। मत्स्य एफपीओ के गठन और संवर्धन का क्रियान्वयन -बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना और हरियाणा राज्यों में किया जाना प्रस्तावित है । एफएफपीओ के लिए प्रस्तावित प्रमुख गतिविधियाँ में जलीय कृषि का विकास, हैचरी का विकास, कोल्ड स्टोरेज, मत्स्य बीज फार्म और मत्स्य चारा मिलों/संयंत्रों का निर्माण, जलाशय में पिंजरे की संस्कृति की स्थापना, मत्स्य प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन इकाई और मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के लिए तकनीकी हस्तक्षेप होंगी।

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन के तहत एफपीओ को समर्थन

एसएफएसी राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का संस्थापक सदस्य है। राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) (2020) के दिशानिर्देशों के अनुसार एसएफएसी कार्यान्वयन एजेंसियों में से एक है। एनबीबी ने एसएफएसी द्वारा समर्थित और प्रचारित 13 एफपीओ के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में एनबीएचएम (मिनी मिशन-I और मिनी मिशन-2) के तहत परियोजना को मंजूरी दी है। परियोजनाओं की कुल वित्तीय लागत 452.185 लाख रुपये है। 13 एफपीओ द्वारा क्रियान्वित की जाने वाली प्रमुख गतिविधियों मधुमक्खी बॉक्स निर्माण, शहद का संग्रह, ब्रांडिंग और विपणन, शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों का प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन, कोल्ड स्टोरेज और शहद परीक्षण प्रयोगशाला शामिल हैं। चयनित 13 एफपीओ विभिन्न राज्य उत्तराखंड, झारखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब और उत्तर प्रदेश से हैं। इसके अलावा एनबीएचएम के तहत एनबीबी ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों में शहद एफपीओ के लिए तीन राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करने के लिए 11.25 लाख रुपये और साथ ही साथ वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और शहद की खपत को बढ़ावा देने के लिए प्रचार/प्रकाशन के लिए 18.00 लाख रुपये स्वीकृत किए है। एसएफएसी द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से मधुमक्खी पालन, शहद और उसके उत्पादों को लोकप्रिय बनाने और बढ़ावा देने के लिए ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, जैसे सार्वजनिक ऐप के माध्यम से एफपीओ के विभिन्न शहद और इसके उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे एफपीओ के साथ प्रामाणिक और शुद्ध शहद उत्पादों की उपलब्धता के बारे में जनता और उपभोक्ताओं के बीच प्रचार/प्रसार/प्रकाशन में जागरूकता पैदा हो सकें।

'एफपीओ किसान बाजार' (पूर्व में दिल्ली किसान मंडी के नाम से ज्ञात)

दिल्ली किसान मंडी (डीकेएम) दिल्ली/एनसीआर में थोक और खुदरा खरीदारों को फलों और सब्जियों की सीधी बिक्री के लिए बनाया गया एक मंच है। एसएफएसी ने किसानों और एफपीओ को फलों और सब्जियों (एफएंडवी) खंड में थोक और खुदरा खरीदारों से जोड़ने के उद्देश्य से सितंबर 2014 में दिल्ली में दिल्ली किसान मंडी शुरू की है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार, दिल्ली दुग्ध योजना (डीएमएस), पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने एक भौतिक मंडी स्थापित करने के उद्देश्य से अलीपुर, नरेला, दिल्ली में 1.61 एकड़ जमीन पट्टे पर दी है। डीएमएस के साथ 30 वर्षों के लिए लीज समझौता पहले ही निष्पादित किया जा चुका है। डीडीए द्वारा भूमि उपयोग को संस्थागत से व्यावसायिक श्रेणी में बदलने की मंजूरी पर विचार किया जा रहा है। आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद परियोजना का कार्यान्वयन शुरू हो जाएगा।

राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (ई-नाम)

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएडंएफडब्ल्यू) ने लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (एसएफएसी) को ई-नाम की प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नियुक्त किया है।

राष्ट्रीय कृषि बाजार एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग (ई-ट्रेडिंग) पोर्टल है जो कृषि जिन्सों के लिए एकीकृत राष्ट्रीय बाजार बनाने के लिए मौजूदा भौतिक एपीएमसी को एक आभासी मंच के माध्यम से नेटवर्क बनाना चाहता है। ई-नाम एक "आभासी" बाजार है, लेकिन इसके अंतिम छोर पर एक भौतिक बाजार (मंडी) है। ई-नाम पोर्टल एपीएमसी से संबंधित सभी सूचनाओं और सेवाओं के लिए एकल विंडो सेवा प्रदान करता है। इसमें अन्य सेवाओं के अलावा कमोडिटी आगमन, गुणवत्ता और कीमतें खरीदने और बेचने की पेशकश, व्यापार प्रस्तावों का प्रत्युत्तर देने का प्रावधान और किसानों के खाते में सीधे इलेक्ट्रॉनिक भुगतान निपटान शामिल है, जबकि सामग्री प्रवाह (कृषि उपज) मंडियों के माध्यम से होता रहेगा। एक ऑनलाइन बाजार, जिसका उद्देश्य लेनदेन लागत को कम करना, सूचना विषमता को पाटना और किसानों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने में मदद करना है।

योजना डिज़ाइन:

इस योजना के तहत मार्च 2023 तक 23 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में 1361 विनियमित थोक बाजारों में एक मजबूत सामान्य ई-मार्केट प्लेटफॉर्म स्थापित और नियोजित किया गया है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग संबंधित उपकरण/बुनियादी ढांचे के लिए प्रति मंडी 75 लाख रुपये की सीमा के अधीन एकमुश्त निश्चित लागत अनुदान देता है। प्रारंभ में कंप्यूटर हार्डवेयर, इंटरनेट सुविधा, परख उपकरण आदि के लिए प्रति मंडी 30 लाख रुपये एकमुश्त निश्चित अनुदान के रूप में आवंटित किए गए थे, जबकि छंटाई, ग्रेडिंग, सफाई और पैकेजिंग जैसी सुविधाओं के निर्माण के लिए प्रति मंडी अतिरिक्त 40 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। प्रति मंडी जैव-खाद इकाई के लिए 5 लाख रुपये आवंटित किए गए।

ई-नाम प्लेटफॉर्म पर व्यापार करने के लिए मुफ्त सॉफ्टवेयर प्रदान करने के अलावा, मंडी कर्मचारियों की मदद के लिए एक वर्ष का जमीनी समर्थन भी प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, रणनीतिक साझेदार द्वारा किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, व्यापारियों, कमीशन एजेंटों और मंडी अधिकारियों के हितलाभ के लिए दो निशुल्क प्रशिक्षण और जागरूकता शिविर आयोजित किए जाते हैं।

ई-नाम से जुड़ने के लिए अनिवार्य विपणन सुधार:

ई-नाम योजना में शामिल होने के लिए पूर्व-आवश्यकता के रूप में ई-नाम राज्य एपीएमसी अधिनियम में 3 सुधारों को अनिवार्य करता है। ये सुधार निम्नलिखित हैं:

क. एकल एकीकृत व्यापार लाइसेंस,

ख. ई-ट्रेडिंग, और

ग. बाजार शुल्क का एकल बिंदु उद्ग्रहण

ई-नाम के उद्देश्य:

योजना के मुख्य उद्देश्य हैं:

i. अधिक खरीदारों/बाजारों तक ऑनलाइन पहुंच के माध्यम से किसानों/किसान उत्पादक

संगठनों/विक्रेताओं के लिए बेहतर विपणन अवसरों को बढ़ावा देना, किसान और व्यापारी के बीच सूचना विषमता को दूर करना, कृषि-जिन्सों की वास्तविक मांग और आपूर्ति के आधार पर बेहतर और वास्तविक समय मूल्य की खोज, नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता, कीमतें उपज की गुणवत्ता, ऑनलाइन भुगतान आदि के अनुरूप होती हैं जो विपणन दक्षता में योगदान करती हैं;

ii. खरीदारों द्वारा सूचित बोली को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्ता आश्वासन के लिए गुणवत्ता परख प्रणाली स्थापित करना।

iii. बाज़ारों के कुशल कामकाज को बढ़ावा देने के लिए विपणन/लेन-देन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और उन्हें सभी बाज़ारों में एक समान बनाना;

iv. कृषि जिन्सों में अखिल भारतीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए पहले राज्यों के स्तर पर और अंततः पूरे देश में एक सामान्य ऑनलाइन बाजार मंच के माध्यम से विनियमित थोक कृषि बाजारों को एकीकृत करना।

v. उपभोक्ताओं के लिए स्थिर कीमतों और गुणवत्तापूर्ण उपज की उपलब्धता को बढ़ावा देना

किसानों को हितलाभ

क) किसान मंडी जाने से पहले ही ई-नाम मोबाइल एप्लिकेशन पर मौजूदा कमोडिटी कीमतों की जानकारी प्राप्त कर सकता है।
ख) किसान मोबाइल के माध्यम से अपनी उपज का लाइव ऑनलाइन बोली मूल्य देख सकते हैं।
ग) किसान की वस्तु की अंतिम बोली दर का विवरण किसान को एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होता है।
घ) किसानों के बैंक खातों में सीधे बोली मूल्य के हस्तांतरण के लिए ऑनलाइन भुगतान गेटवे उपलब्ध है।
ङ) पीक सीजन के दौरान लॉट के त्वरित गेट प्रवेश की सुविधा के लिए मोबाइल ऐप के माध्यम से लॉट के पूर्व-पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है।
च) किसान अपनी उपज एक से अधिक बाजारों में बेच सकते हैं।
छ) ई-नाम देश भर में खरीदारों/व्यापारियों और किसानों के बीच सीधे व्यापार की सुविधा प्रदान करता है।
ज) गुणवत्ता परख मापदंडों के आधार पर कीमतें।

ई-नाम प्रक्रिया प्रवाह

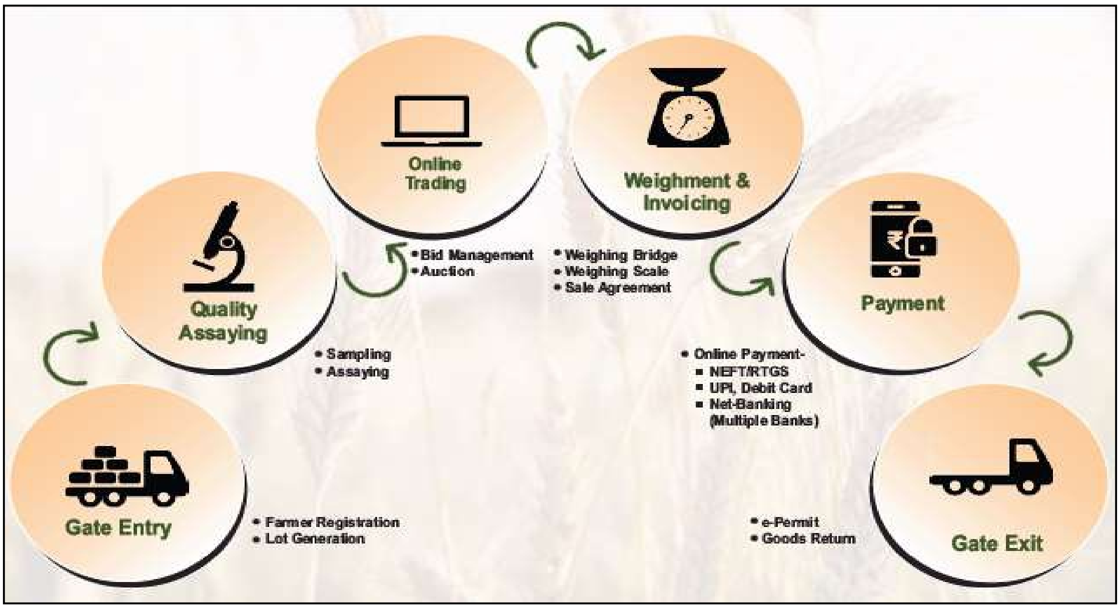

गति एवं उपलब्धियाँ

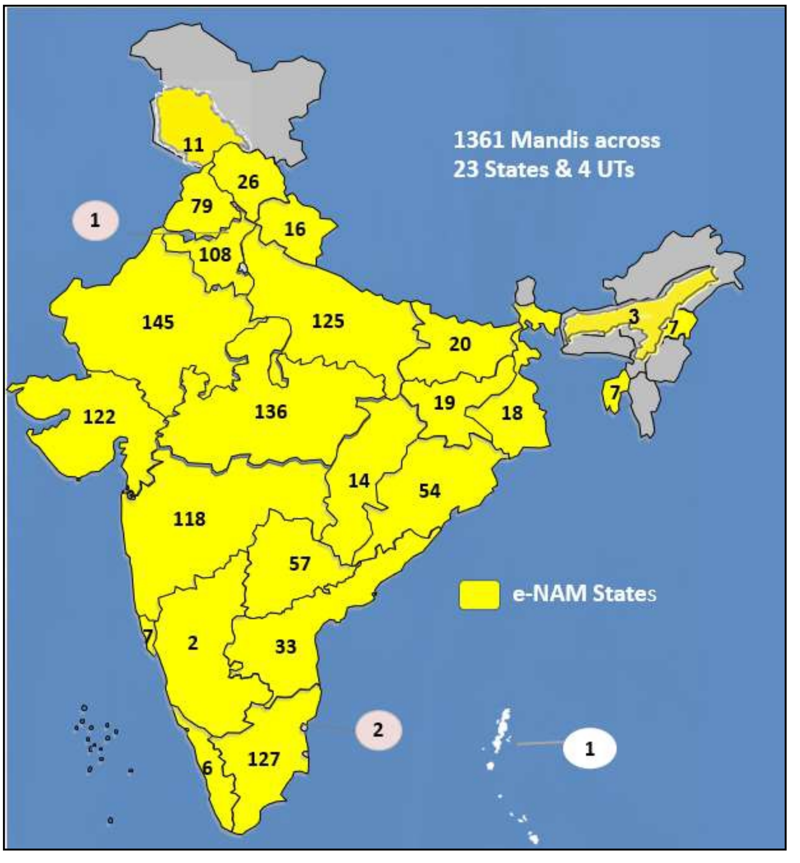
1361 Mandis across
23 States & 4 UTs
e-NAM States
11
26
79
16
108
1
145
125
3
7
20
122
136
19
18
7
14
54
118
57
2
33
7
2
1
6
127

एकीकृत मंडियों की संख्या (31.03.2023 तक)		
क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	मंडियाँ एकीकृत
राज्य		
1	आंध्र प्रदेश	33
2	असम	3
3	बिहार	20
4	छत्तीसगढ	20
5	गुजरात	144
6	गोवा	7
7	हरियाणा	108
8	हिमाचल प्रदेश	38
9	झारखंड	19
10	कर्नाटक	5
11	केरल	6
12	मध्य प्रदेश	136
13	महाराष्ट्र	118
14	नगालैंड	19
15	ओडिशा	66
16	पंजाब	79
17	राजस्थान	145
18	तमिलनाडु	157
19	तेलंगाना	57
20	त्रिपुरा	7
21	उतार प्रदेश	125
22	उत्तराखंड	16
23	पश्चिम बंगाल	18
केंद्र शासित प्रदेश (यूटी)		
1	अंडमान व नोकोबार द्वीप समूह	1
2	चंडीगढ़	1
3	जम्मू एवं कश्मीर	11
4	पुदुच्चेरी	2
योग		1361

निष्पादन एक नज़र में (31 मार्च 2023 तक)

क्र. सं.	विवरण	वित्तीय वर्ष (2022-23)	स्थापना से 31 मार्च 2023 तक
क.	**हितधारकों का पंजीकरण**		
	ई-नाम पर पंजीकृत किसानों की संख्या	2.29 (लाख)	1.75 (करोड़)
	पंजीकृत व्यापारियों की संख्या	22,019	2.43 (लाख)
	पंजीकृत कमीशन एजेंटों की संख्या	3,390	1.09 (लाख)
	पंजीकृत एफपीओ की संख्या	474	2575
ख.	**रिकार्ड किया गया व्यापार**		
	मात्रा में दर्ज कुल व्यापार (करोड़) मीट्रिक टन	1.87	7.49
	संख्याओं में दर्ज कुल व्यापार (करोड़ संख्या)	9.52	23.25
	मूल्य में दर्ज कुल व्यापार (करोड़ रुपये)	74,528	2,61,906
ग.	**अधिसूचित जिन्सों के व्यापार योग्य पैरामीटर (संख्या)**	34	209

ई-नाम पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए माह-वार व्यापार मूल्य (करोड़ रुपये) और मात्रा (लाख मीट्रिक टन और संख्या)

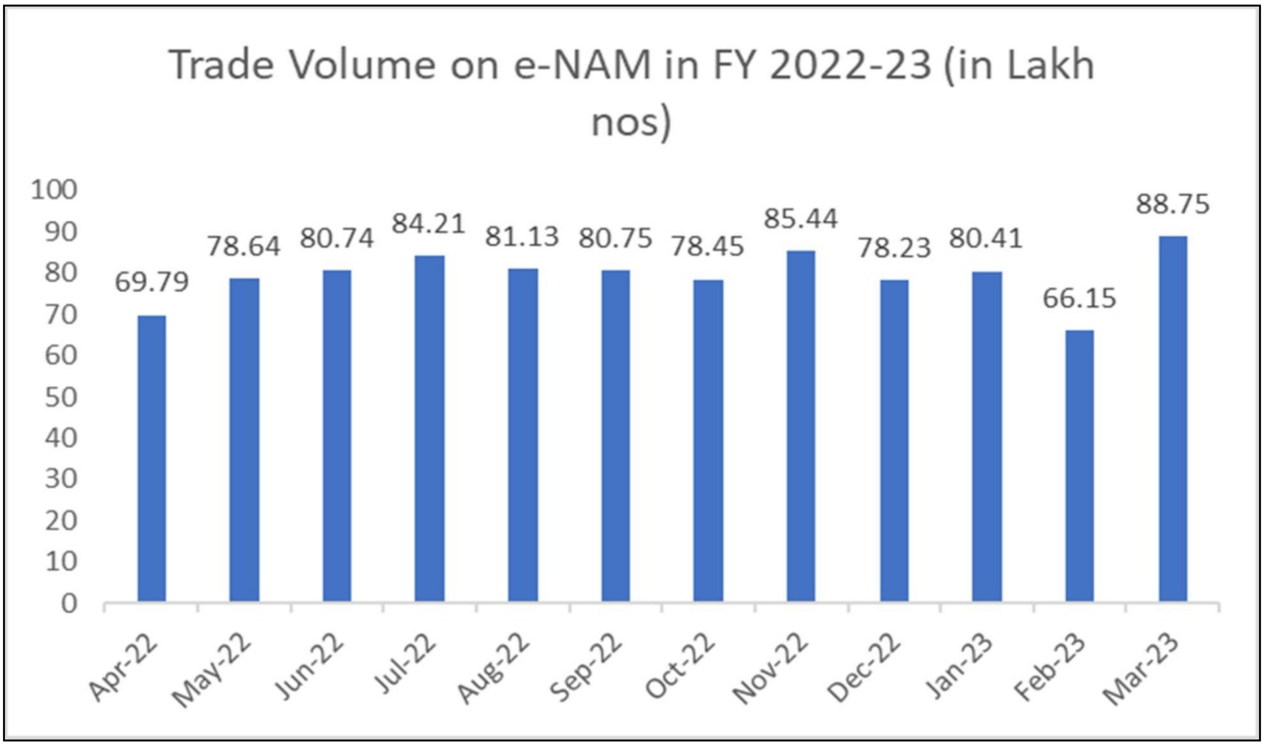

*बांस, पान का पत्ता, नारियल, नींबू, स्वीट कॉर्न

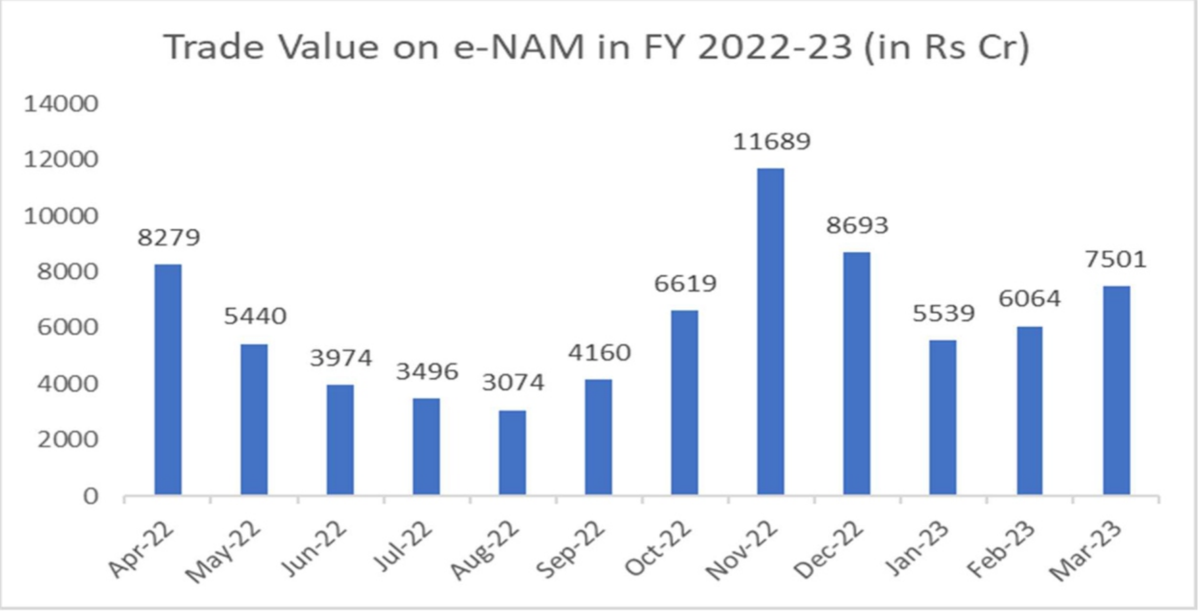

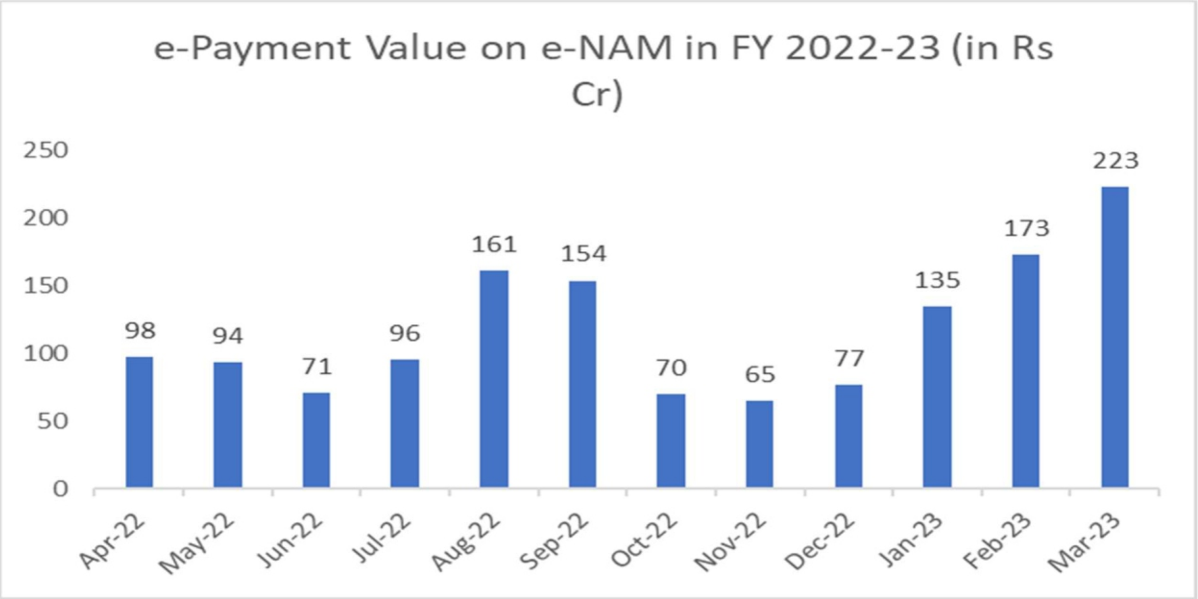
e-Payment Value on e-NAM in FY 2022-23 (in Rs Cr)
250
200
150
100
50
0
98
94
71
96
161
154
70
65
77
135
173
223
Apr-22
May-22
Jun-22
Jul-22
Aug-22
Sep-22
Oct-22
Nov-22
Dec-22
Jan-23
Feb-23
Mar-23

वित्त वर्ष 2022-23 में ई-नाम पर अंतरराज्यीय व्यापार

क्रेता राज्य	विक्रेता राज्य	वस्तु	व्यापार का योग मात्रा (क्विंटल)	कुल व्यापार मूल्य का योग (रुपये)
आंध्र प्रदेश	जम्मू और कश्मीर	अखरोट कर्नेल	0.2	19300
बिहार	उत्तर प्रदेश	टमाटर	118	57618
चंडीगढ़	जम्मू और कश्मीर	सेब	16.66	50001
छत्तीसगढ	जम्मू और कश्मीर	केसर	0.0004	9965
गुजरात	महाराष्ट्र	अजवायन	9.93	139263
हरियाणा	उत्तर प्रदेश	मूंग साबुत (हरा चना)	10	55100
जम्मू और कश्मीर	पंजाब	किन्नू	56.4	151368
झारखंड	जम्मू और कश्मीर	सेब	3410.03	12282556
झारखंड	जम्मू और कश्मीर	केसर	0.00084	19938
झारखंड	जम्मू और कश्मीर	अखरोट	0.9	25200
झारखंड	महाराष्ट्र	प्याज	208	379600
झारखंड	पंजाब	किन्नू	45	54978
झारखंड	उत्तर प्रदेश	आलू	205	139360
केरल	महाराष्ट्र	रेशम कोकून(बीएच) डबल हाइब्रिड	2.3019	122320
केरल	महाराष्ट्र	रेशम कोकून(बीएच) डबलहाइब्रिड	95.6221	6028631
मध्य प्रदेश	महाराष्ट्र	कपास	40.1	376659
मध्य प्रदेश	राजस्थान	चना	10	42657
मध्य प्रदेश	राजस्थान	लहसुन	4.95	7626
मध्य प्रदेश	राजस्थान	सरसों	3.42	20215
मध्य प्रदेश	उत्तर प्रदेश	आलू	250	142100
ओडिशा	छत्तीसगढ	इमली	1	9001
ओडिशा	झारखंड	शकरकंद	12.81	38583
पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	लोबिया काला	2.5	10829
पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	लोबिया सफेद	1.46	5558
पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	हरा चना	3.78	29458
पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	मूंगफली गिरी_80 कि.ग्रा. (TN)	0.5	4257
पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	मूंगफली गिरी_40 कि.ग्रा. (TN)	1153.4	8635988
पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	कोदो बाजरा	1.87	5705
पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	मक्का	0.35	914

पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	बाजरा	7.73	25780
पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	धान(75 किलोग्राम)	123.59	198077
पुदुच्चेरी	तमिलनाडु	रागी	9.3	22673
पंजाब	हरियाणा	ग्वार बीज	15	92669
पंजाब	हरियाणा	सरसों	3	16824
राजस्थान	जम्मू और कश्मीर	केसर	0.0002	4971
राजस्थान	मध्य प्रदेश	चना	10	45460
तमिलनाडु	पुदुच्चेरी	कपास	6.6	43800
तमिलनाडु	पुदुच्चेरी	मक्का	15.6	34320
तमिलनाडु	पुदुच्चेरी	रेडग्राम-लाल	600.59	5676207
तमिलनाडु	पुदुच्चेरी	उड़द (काला चना)	207.63	1579667
तमिलनाडु	उत्तर प्रदेश	आलू	250	164938
उत्तर प्रदेश	जम्मू और कश्मीर	केसर	0.0002	4772
उत्तर प्रदेश	उत्तराखंड	आलू	15	12180
उत्तर प्रदेश	उत्तराखंड	आलू	67	49633
उत्तराखंड	उत्तर प्रदेश	हरी मिर्च	14	19619
उत्तराखंड	उत्तर प्रदेश	आलू	853	519582
उत्तराखंड	उत्तर प्रदेश	आलू	128	73143
कुल योग			**7990.23**	**37449063**

वित्त वर्ष 2022-23 में ई-नाम पर अंतर-मंडी व्यापार

क्र. सं.	राज्य	प्रतिभागी मंडियां	व्यापार की मात्रा		व्यापार मूल्य (लाख रुपये)
			(मि.ट. में)	(संख्या में)	
1	आंध्र प्रदेश	11	2767		28.08
2	छत्तीसगढ	5	9286		16.02
3	गुजरात	2	10		0.07
4	हरियाणा	24	47647		180.30
5	जम्मू और कश्मीर	2	10		0.02
6	झारखंड	5	343		0.74
7	कर्नाटक	2	5		0.03
8	महाराष्ट्र	8	10174		55.14
9	ओडिशा$	51	61180	24083003	115.47
10	राजस्थान	35	321		3.32
11	तमिलनाडु#	108	88928	32486	247.16
12	तेलंगाना	27	14647		75.86
13	उत्तर प्रदेश	9	35		0.03
14	उत्तराखंड	16	432		0.40
15	पश्चिम बंगाल	17	361		0.52
योग		**322**	**236146**	**24115489**	**723.16**

$ ओडिशा ने संख्या में पान, नारियल, नींबू, स्वीट कॉर्न का कारोबार किया।
#तमिलनाडु ने नारियल का संख्या में व्यापार किया

ई-नाम की मुख्य विशेषताएं

1. किसान अनुकूल मोबाइल ऐप:

i. बहुभाषी (12 भाषाएँ)
ii. जिओ-टैग की गई ई-नाम मंडियां किसानों को वस्तुओं के पिछले तीन दिनों के कारोबार मूल्य के साथ 100 किमी के दायरे में निकटतम ई-नाम मंडी का पता लगाने में मदद करेंगी।
iii. सर्वर पुश नोटीफिकेशन
iv. अग्रिम गेट प्रवेश
v. ट्रैक लॉट प्रोग्रेस
vi. नमूनाकरण और परख सुविधा
vii. व्यापारी के लिए ऑनलाइन भुगतान की सुविधा
viii. भुगतान प्राप्त होने पर एसएमएस अलर्ट

2. अंतरराज्यीय के लिए एकीकृत व्यापार लाइसेंसिंग प्रणाली

यह सुविधा व्यापारियों के लिए अपने ई-नाम लॉगिन में अंतरराज्यीय व्यापार लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए बनाई गई है ताकि वे देश में ई-नाम मंडियों में भाग लेने में सक्षम हो सकें।

3. ई-पेमेंट के समय व्यापारियों को मंडी शुल्क में छूट

कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर कदम बढ़ाने के लिए, विभिन्न राज्य सरकारें डिजिटल लेनदेन पर छूट की पेशकश लेकर आई हैं। इस प्रकार, ई-नाम को ई-भुगतान पर छूट सुविधाओं के साथ पेश किया गया। सुविधाओं का हितलाभ उठाने के लिए, राज्य का एप्लिकेशन प्रशासक एप्लिकेशन में वांछित छूट प्रतिशत कॉन्फ़िगर कर सकता है और खरीदार द्वारा चुने गए ई-भुगतान मोड के मामले में; ई-भुगतान के दौरान मंडी शुल्क में ऐसे हितलाभ प्राप्त करने के लिए लेनदेन में कॉन्फ़िगर की गई छूट सुविधाएं स्वचालित रूप से लागू होंगी।

4. स्वतः बिक्री समझौता

ई-नाम वर्कफ़्लो निष्पादन समय को कम करने के लिए स्वतः बिक्री अनुबंध सुविधा जोड़ी गई है। इससे किसानों को लेनदेन के लिए प्रतीक्षा समय में हितलाभ हुआ है।

5. भीम भुगतान सुविधा

वर्तमान में ई-नाम पोर्टल किसानों को आरटीजीएस/एनईएफटी, डेबिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से सीधे ऑनलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करता है। भीम के माध्यम से यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) की सुविधा ने खरीदारों के खाते से पूल खाते तक भुगतान प्राप्ति के समय को कम करके और बदले में किसानों को भुगतान को कम करके किसानों को भुगतान को आसान बनाने में मदद की।

6. 12 भाषाओं में वेबसाइट और मोबाइल ऐप

वेबसाइट और मोबाइल ऐप को उन्नत किया गया है ताकि विभिन्न भौगोलिक और भाषाई क्षेत्रों के हितधारक इस तरह के हितलाभ उठा सकें। भाषाएँ हैं - हिंदी, अंग्रेजी, बंगाली, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, उड़िया, डोगरी, मलयालम और कन्नड़।

7. शॉपिंग कार्ट सुविधा

यह सुविधा व्यापारियों को दैनिक नीलामी से कई लॉट चुनने में आसानी के लिए बनाई गई है। एक बार चुने जाने पर, एक शॉपिंग कार्ट बनाई जाएगी। इसके बाद, व्यापारी तदनुसार बोली लगाना/भुगतान करना चुन सकता है।

8. एकाधिक चालानों का समूहन

यह सुविधा व्यापारी को प्रत्येक चालान का चयन करने और एक-एक करके भुगतान पूरा करने के बजाय, कई चालानों का चयन करने और सभी चालानों की संयुक्त राशि के लिए एकल एकमुश्त भुगतान करने में सक्षम बनाती है। इससे ऑनलाइन व्यापार समाप्त करने का समय काफी कम हो गया है और हितधारक को सहज उपयोगकर्ता अनुभव हुआ है।

9. आंशिक भुगतान सुविधा

किसान/व्यापारी द्वारा चालान के आंशिक भुगतान की सुविधा, जिसमें उन्हें पूर्ण भुगतान, मंडी शुल्क के साथ आंशिक ऑनलाइन भुगतान, मंडी शुल्क के बिना आंशिक ऑनलाइन भुगतान और मंडी शुल्क को छोड़कर पूर्ण ऑनलाइन भुगतान का विकल्प उपलब्ध कराया गया है। यह एक विकल्प-आधारित मॉड्यूल है और चुने जाने पर लागू होगा।

10. किसान प्रोत्साहन सुविधा

यह सुविधा मंडी को सक्षम बनाने के लिए तैनात की गई है ताकि किसानों को उनकी संबंधित मंडी में ई-भुगतान को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन भुगतान तंत्र (मंडी शुल्क का %) चुनने के लिए प्रोत्साहन मिल सके। राजस्थान में मंडावरी और जोधपुर मंडी में सफल पायलट रन किया गया और अब यह राजस्थान की सभी ई-नाम मंडियों के लिए उपलब्ध है।

ई-नाम पर नई पहल

1. **ई-नाम प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म-** ई-नाम प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म (पीओपी) को 14 अगस्त 2022 को बेंगलुरु, कर्नाटक में राज्य कृषि और बागवानी मंत्रियों की बैठक के दौरान माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री द्वारा शुभारंभ किया गया था। प्लेटफ़ॉर्म ऑफ़ प्लेटफ़ॉर्म (पीओपी) ई-नाम पारिस्थितिकी तंत्र के तहत विकसित एक नया ढांचा है, जिसका उद्देश्य व्यापार, परख, परिवहन, वेयरहाउसिंग, फिनटेक, बाजार सूचना, सॉर्टिंग और ग्रेडिंग, कृषि इनपुट और सलाहकार सेवाओं जैसे विभिन्न सेवा प्रदाता प्लेटफ़ॉर्म

को एकीकृत करना है, जो किसानों, एफपीओ, व्यापारियों और अन्य हितधारकों को एकल खिड़की के माध्यम से बड़े बाजार पारिस्थितिकी तंत्र तक पहुंचने में सक्षम बनाना।

2. **कॉफी टेबल बुक-** इसे 14 अगस्त 2022 को बेंगलुरु, कर्नाटक में राज्य कृषि और बागवानी मंत्रियों की बैठक के दौरान माननीय केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था। कॉफ़ी टेबल बुक (सीटीबी) नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत में कृषि उपज के व्यापार में पारदर्शिता और दक्षता लाने में ई-नाम के प्रयास और यात्रा को प्रदर्शित करती है।

3. **ई-नाम ब्लॉग-** ई-नाम की मार्केटिंग और प्रमोशन से संबंधित उपलब्धियों, समाचार क्लिप और घटनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ई-नाम वेबसाइट पर एक ब्लॉग पेज बनाया गया है।

4. 'भारत का अमृत महोत्सव' समारोह और ई-नाम की 5वीं वर्षगांठ (14 अप्रैल) के अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने ई-नाम की निम्नलिखित नई विशेषताएं लॉन्च कीं:

   क. **मंडियों के लिए आईएमडी मौसम पूर्वानुमान**
   भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) से मौसम पूर्वानुमान जानकारी का ई-नाम के साथ एकीकरण, ई-नाम मंडियों और आसपास के क्षेत्रों के लिए "वर्तमान दिन" पूर्वानुमान के साथ न्यूनतम और अधिकतम तापमान प्रदान करता है। मौसम की यह जानकारी किसानों को कृषि कार्यों और विपणन निर्णयों की योजना बनाने में मदद करेगी।

   ख. **वास्तविक समय मूल्य प्रसार प्रणाली**
   'बाजार सूचना पृष्ठ' को किसानों को संबंधित राज्यों की ई-नाम मंडियों में कारोबार की जा रही वस्तुओं की वर्तमान कीमत प्रदान करने वाली जानकारी के एकल स्रोत के रूप में डिज़ाइन किया गया है।

   ग. **सहकारी मॉड्यूल**
   सहकारी व्यापार मॉड्यूल सहकारी समितियों को ई-नाम पर खुद को पंजीकृत करने और एपीएमसी में उपज लाए बिना सीधे अपने संग्रह केंद्र/गोदामों से अपनी उपज का व्यापार करने की सुविधा देता है।

   घ. **ई-नाम निर्देशिका**
   ई-नाम प्रक्रियाओं और संबंधित मंडी सूचनाओं पर संकलित जानकारी वाली एक निर्देशिका।

एफपीओ को ई-नाम प्लेटफॉर्म पर शामिल करना

किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का गठन विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों की, छोटे विपणन योग्य अधिशेष के विपणन की चुनौतियों से निपटने के लिए किया जाता है। जैसा कि परिकल्पना की गई है, उपज का एकत्रीकरण पैमाने की अर्थव्यवस्था प्रदान करता है; हालाँकि, उपज की बिक्री में विभिन्न बाधाएँ मौजूद हैं, जिससे किसानों का भरण-पोषण मुश्किल हो गया है। ई-नाम के माध्यम से, अपनी उपज बेचने के लिए बेहतर बाजार संपर्क के लिए एफपीओ के लिए ऑनलाइन व्यापार की तकनीक को सुलभ बनाया गया है।

क्र. सं.	राज्य	वित्तीय वर्ष(2022-23)	बोर्ड पर शामिल एफपीओ की संख्या (शुरुआत से मार्च 2023 तक)
1	आंध्र प्रदेश	16	193
2	बिहार	4	4
3	छत्तीसगढ	7	29
4	गुजरात	45	150
5	हरियाणा	4	247
6	हिमाचल प्रदेश	19	73
7	झारखंड	38	154
8	कर्नाटक	13	13
9	केरल	1	8
10	मध्य प्रदेश	13	117
11	महाराष्ट्र	22	286
12	ओडिशा	81	272
13	पंजाब	3	13
14	राजस्थान	65	244
15	तमिलनाडु	16	124
16	तेलंगाना	34	95
17	त्रिपुरा	2	2
18	उत्तर प्रदेश	43	299
19	उत्तराखंड	11	54
20	पश्चिम बंगाल	10	180
21	जम्मू एवं कश्मीर	14	15
22	पुदुच्चेरी	1	3
योग		**447**	**2575**

31 मार्च 2023 तक 2575 पंजीकृत एफपीओ में से 447 एफपीओ ने 22 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल) ने ई-नाम पर सफलतापूर्वक भाग लिया था और 43946 मीट्रिक टन और 1.19 करोड़ (सुपारी और नारियल) संख्या और रु.84.16 करोड़ मूल्य का व्यापार किया।

		वित्त वर्ष 2022-23			स्थापना के बाद से मार्च 2023 तक		
क्र. सं.	राज्य	कारोबार की मात्रा (एमटी)	कारोबार की मात्रा (संख्या)	व्यापारिक मूल्य (लाख रूपये)	कारोबार की मात्रा (एमटी)	कारोबार की मात्रा (संख्या)	व्यापारिक मूल्य (लाख रुपये)
1	आंध्र प्रदेश	48.65	0	9.36	1012.41	0	179.43
2	बिहार	0	0	0	0	0	0
3	चंडीगढ़	0	0	0	0	0	0
4	छत्तीसगढ	0	0	0	31.64	0	9.13
5	गुजरात	39.26	0	7.04	113.57	0	22.81
6	गोवा	0	0	0	0	0	0
7	हरियाणा	4.2	0	0.87	86.79	0	25.06
8	हिमाचल प्रदेश	0	0	0.01	18.91	0	5.81
9	जम्मू एवं कश्मीर	27.47	0	10.6	27.47	0	10.6
10	झारखंड	708.94	0	126.96	3174.87	0	512.38
11	कर्नाटक	0	0	0	0	0	0
12	केरल	0.26	0	0.2	0.26	0	0.2
13	मध्य प्रदेश	1.64	0	0.32	868.5	0	137.05
14	महाराष्ट्र	20.65	0	3.61	771.42	0	343.3
15	नगालैंड	0	0	0	0	0	0
16	ओडिशा$	18298.11	7302815	3548.3	29734.35	11951819	5927.77
17	पुदुच्चेरी	0	0	0	0	0	0
18	पंजाब	4.4	0	0.17	5.9	0	0.37
19	राजस्थान	25.28	0	11.51	151.72	0	58.98
20	तमिलनाडु	114.87	0	25.36	1091.28	0	188.01
21	तेलंगाना	0	0	0	23.22	0	5.07
22	त्रिपुरा	0	0	0	0	0	0
23	उत्तर प्रदेश	304.73	0	69.34	496.09	0	100.96
24	उत्तराखंड	0	0	0	4.77	0	1.42
25	पश्चिम बंगाल#	1947.11	0	258.95	6332.89	11000	887.92
कुल योग		**21545.57**	**7302815**	**4072.6**	**43946.06**	**11962819**	**8416.27**

$ओडिशा ने नारियल का व्यापार संख्या में किया
#पश्चिम बंगाल में पान के पत्तों का व्यापार संख्या में किया

वित्तीय वर्ष 2022-23में प्रमुख कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण

डिजिटल इंडिया पुरस्कार 2022: कृषि मंत्रालय की राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) पहल ने नागरिकों के डिजिटल सशक्तिकरण श्रेणी में प्लेटिनम पुरस्कार (प्रथम) जीता

ई-नाम ने 7 जनवरी 2023 को नई दिल्ली में आयोजित डिजिटल इंडिया अवार्ड्स 2022 में "नागरिकों के डिजिटल सशक्तिकरण" श्रेणी में प्लेटिनम पुरस्कार जीता।

भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, रेलवे और संचार मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में डिजिटल इंडिया पुरस्कार, 2022 प्रदान किए।

डिजिटल अभिशासन के क्षेत्र में विभिन्न सरकारी संस्थाओं द्वारा नवीन डिजिटल समाधानों/अनुकरणीय पहलों को प्रोत्साहित करने और सम्मानित करने के लिए भारत के राष्ट्रीय पोर्टल के तत्वावधान में MeitY द्वारा डिजिटल इंडिया पुरस्कार की स्थापना की गई है। डिजिटल इंडिया पुरस्कार 2022 का उद्देश्य न केवल सरकारी संस्थाओं बल्कि स्टार्टअप्स को भी डिजिटल इंडिया विजन को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है। विभिन्न 07श्रेणियों के अंतर्गत डिजिटल इंडिया पुरस्कार 2022, दिए गए। नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण, सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, स्टार्ट-अप के साथ सहयोग में डिजिटल पहल, व्यवसाय करने में आसानी के लिए डिजिटल पहल, सामाजिक आर्थिक विकास के लिए डेटा साझाकरण और उपयोग, जमीनी स्तर पर डिजिटल पहल, सर्वश्रेष्ठ वेब और मोबाइल पहल आदि। प्लैटिनम, गोल्ड विभिन्न श्रेणियों के तहत विजेता टीमों को रजत पुरस्कार दिए गए हैं।

14 जुलाई 2022 को बेंगलुरु, कर्नाटक में राज्य कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान ई-नाम प्लेटफॉर्म ऑफ प्लेटफॉर्म और कॉफी टेबल बुक के मंच का शुभारंभ।

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बेंगलुरु, कर्नाटक में राज्य कृषि और बागवानी मंत्रियों के सम्मेलन के मौके पर राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) के तहत प्लेटफार्मों के मंच (पीओपी) का 14 जुलाई 2022 को शुभारंभ किया।.

श्री तोमर के अलावा, उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में कर्नाटक के मुख्यमंत्री, श्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय रसायन और उर्वरक और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, डॉ. मनसुख मंडाविया, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, सुश्री शोभा करंदलाजे और श्री कैलाश चौधरी, कर्नाटक के कृषि मंत्री, श्री बीसी पाटिल, राज्य मंत्री, केंद्रीय कृषि सचिव श्री मनोज आहूजा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

कृषि मंत्री द्वारा जारी कॉफी टेबल बुक नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश में कृषि वस्तुओं के व्यापार में पारदर्शिता और दक्षता लाने में ई-नाम के प्रयास और यात्रा को दर्शाती है। ई-नाम पर कॉफी टेबल बुक एपीएमसी मंडियों के डिजिटलीकरण की सुविधा प्रदान करके किसानों और हितधारकों के हितलाभ और सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करने पर केंद्रित है।

2022-23के दौरान प्रमुख सफलता की गाथाएं

1. केसमुद्रम एपीएमसी-तेलंगाना को "उत्कृष्ट लोक प्रशासन" के लिए पीएम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कृषि, तेलंगाना की आर्थिक गतिविधि का एक अभिन्न अंग, सामाजिक-आर्थिक विकास के संदर्भ में राज्य की दिशा तय करती है। प्रौद्योगिकी ने राज्यों में जीवन पर कब्ज़ा कर लिया है और खेती कोई अपवाद नहीं है; राज्य पारंपरिक खेती से स्वचालित तरीकों के उपयोग की ओर बढ़ गया है। राज्य की जीडीपी में कृषि को एक बड़े योगदानकर्ता के रूप में सक्षम बनाने के लिए सरकार की सक्रिय नीतियों से प्रोत्साहित होकर, कृषि के क्षेत्र में दिन पर दिन अधिक संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। चावल राज्य की प्रमुख खाद्य फसल और मुख्य भोजन है। अन्य महत्वपूर्ण फसलें तम्बाकू, आम, कपास और गन्ना हैं। ई-नाम के माध्यम से कृषि विपणन विभाग, तेलंगाना कृषि विपणन में एकरूपता को प्रोत्साहित कर रहा है, बाजार में सूचना विषमता को दूर कर रहा है और वास्तविक समय मूल्य खोज को प्रोत्साहित कर रहा है।

केसामुद्रम एपीएमसी-तेलंगाना को 21 अप्रैल 2022 को सिविल सेवा दिवस पर "लोक प्रशासन में उत्कृष्टता- 2019" के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री से पुरस्कार मिला। यह एपीएमसी के लिए एक पूर्ण सम्मान से कम नहीं है, जो मंडी में सक्रिय रूप से ई-नाम प्रचार कर रहा है।

2. थट्टांचावडी एपीएमसी-पुदुच्चेरी को 21 अप्रैल, 22 को सिविल सेवा दिवस पर "लोक प्रशासन में उत्कृष्टता- 2019" के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री से पुरस्कार मिला।

पुडुचेरी, 1954 तक भारत में एक फ्रांसीसी औपनिवेशिक बस्ती, अब एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) शहर है जो दक्षिण-पूर्वी तमिलनाडु राज्य से घिरा है। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी भाग में स्थित है। केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख खाद्य फसलें चावल, मक्का, रागी और दालें हैं। यहां की नकदी फसलों में तिलहन, तिल, मूंगफली और मिर्च शामिल हैं।

थट्टानचावडी एपीएमसी- पुडुचेरी को 21 अप्रैल 22 को सिविल सेवा दिवस पर "लोक प्रशासन में उत्कृष्टता- 2019"के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री से पुरस्कार मिला। ई-नाम मंडी में पारदर्शिता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। व्यापार, वास्तविक समय मूल्य की जानकारी, स्थानीय कृषि उपज के लिए अधिक खरीदार, साथ ही किसानों और व्यापारियों को अन्य हितलाभ। अपने प्रयास को मान्यता देते हुए पीएम पुरस्कार प्राप्त करना विभाग के लिए खुशी की बात है। विभाग के लिए यह एक बड़ा सम्मान है। यह विशेष पुरस्कार प्राप्त करके विभाग उन किसानों और व्यापारियों का आभारी है जो ई-नाम में विश्वास करते हैं और इसकी अविस्मरणीय यात्रा में इस योजना में शामिल हुए हैं।

3. फल मंडी सोलन को पर्वतीय क्षेत्र श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया

ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए सोलन स्थित कृषि उपज विपणन समिति (एपीएमसी) को आज लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार, 2019 से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार कल दिल्ली में 15वें सिविल सेवा दिवस के अवसर पर उपायुक्त कृतिका कुलहरि और एपीएमसी सोलन के सचिव रविंदर शर्मा ने प्राप्त किया। एपीएमसी को उत्कृष्टता प्रमाणपत्र के साथ 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया है।

4. अडोनी की सफलता की गाथा- ई-नाम प्लेटफॉर्म पर 1 करोड़ बोलियां प्राप्त करने वाला देश का पहला

कुरनूल जिले में स्थित अडोनी मार्केट यार्ड आंध्र प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा मार्केट यार्ड है। मुख्य रूप से कपास, अरंडी के बीज, मूंगफली, सूरजमुखी के बीज और अरहर का व्यापार बाजार यार्ड में किया जाता है। मार्केट यार्ड ने मार्च 2017 से ई-नाम लागू किया है और यह किसानों और व्यापारियों को मंच में भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है।
लॉट के लिए सबसे अधिक बोलियां प्राप्त करने के साथ एडोनी एएमसी देश में प्रथम स्थान पर रही, अर्थात 20.01.23 तक 11.34 लाख लॉट के लिए 1 करोड़ बोलियां प्राप्त हुईं। औसतन प्रति लॉट लगभग 9 बोलियों के साथ एडोनी प्रतिस्पर्धी बोली को बढ़ावा देने में सबसे आगे रहा है जिसके परिणामस्वरूप किसानों को उनकी उपज के लिए बेहतर कीमतें मिली हैं। मार्केट यार्ड ने औसतन 30 से अधिक बोलियां प्राप्त की हैं, जो राज्य और देश में ई-नाम मार्केट यार्ड के लिए ई-नाम के वास्तविक उद्देश्य को पूर्ण रूप से प्राप्त करने के लिए एक अनूठी उपलब्धि है।

एएमसी	कुल प्राप्त बोलियाँ	कुल ई-ट्रेडेड लॉट	औसत बोली/लॉट
अदोनी	1,00,03,894	11,34,781	9

मार्केट यार्ड ई-नाम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभिन्न सहायक बुनियादी ढांचे भी प्रदान कर रहा है। मार्केट यार्ड ने मूंगफली, दालों आदि के परीक्षण के लिए परख प्रयोगशाला स्थापित की है, ताकि किसान को उसके लॉट के लिए सही कीमत मिल सके और व्यापारी को सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली उपज मिल सके। मार्केट यार्ड में मूल्य प्रदर्शन बोर्ड हैं ताकि किसानों को मौजूदा कीमतों और ई-नाम से संबंधित अन्य जानकारी के बारे में जानकारी विषमता को कम करने के बारे में अपडेट किया जा सके।
मार्केट यार्ड में अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे हैं, जिन्होंने इसकी प्रशासनिक दक्षता में सुधार करने में योगदान दिया है। बाज़ार में ई-नाम एकीकृत वज़न मशीनें स्थापित की गई हैं, जो मैन्युअल त्रुटि या हेरफेर की संभावना को दूर करते हुए, वज़न डेटा को सीधे ई-नाम प्लेटफ़ॉर्म पर स्थानांतरित करती हैं।

5. उत्तराखंड के हलद्वानी में एक किसान की सफलता की गाथा

श्री राम कुमार उत्तराखंड के हलद्वानी के एक प्रगतिशील किसान हैं। राम कुमार कई वर्षों से अपने खेत में आलू की खेती कर रहे थे, लेकिन उन्हें अपनी उपज के लिए लाभदायक बाजार खोजने में संघर्ष करना पड़ा। हालाँकि, उनकी किस्मत तब बदल गई जब उन्होंने ई-नाम पोर्टल की खोज की, जो किसानों को संभावित खरीदारों से सीधे जोड़ने वाला एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म था।

व्यापक बाजार तक पहुंचने की संभावना से उत्साहित, राम कुमार ने ई-नाम पोर्टल पर पंजीकरण करने और अपने उच्च गुणवत्ता वाले आलू का प्रदर्शन करने का फैसला किया। उन्होंने 130 क्विंटल आलू सूचीबद्ध किए, जिसमें अपने खेत और खेती के तरीकों के बारे में सभी आवश्यक विवरण दिए।
उनकी खुशी के लिए, राम कुमार को जल्द ही ई-नाम पोर्टल के माध्यम से इच्छुक खरीदारों से पूछताछ और प्रस्ताव मिलने लगे। प्लेटफ़ॉर्म की पारदर्शिता और सुविधा ने उन्हें अपने आलू के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करते हुए, खरीदारों के साथ सीधे बातचीत करने की अनुमति दी।

सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, राम कुमार ने पड़ोसी राज्य के एक प्रतिष्ठित थोक व्यापारी के साथ एक सौदा किया। थोक व्यापारी ने राम कुमार के आलू की गुणवत्ता को पहचाना और पूरे 130 क्विंटल आलू को आपसी सहमति से तय कीमत पर खरीदने की पेशकश की।

जैसे ही व्यापार पर अंतिम निर्णय हुआ, राम कुमार ने इस सफल लेनदेन से कुल 65,000 रुपये की कमाई की। उन्होंने जो लाभ कमाया, उससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और उन्हें वह वित्तीय स्थिरता मिली जिसके लिए वे प्रयास कर रहे थे।
इस नई सफलता के साथ, राम कुमार ने अपनी कमाई का एक हिस्सा अपने खेती कार्यों में पुनः निवेश कर दिया। उन्होंने उन्नत बीज, आधुनिक उपकरण खरीदे और उन्नत कृषि तकनीकें लागू कीं। इन निवेशों से न केवल उनके खेत की उत्पादकता और दक्षता में वृद्धि हुई बल्कि उनके आलू की समग्र गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

राम कुमार की सफलता की कहानी तेजी से हलद्वानी के कृषक समुदाय में फैल गई। उनकी उपलब्धि से प्रेरित होकर, क्षेत्र के अन्य किसानों ने अपनी पहुंच का विस्तार करने और अपने मुनाफे को अधिकतम करने के लिए ई-नाम पोर्टल जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की खोज शुरू की।

अपने आलू के लिए खरीदार ढूंढने के संघर्ष से लेकर ई-नाम पोर्टल के माध्यम से अच्छी खासी रकम कमाने तक की राम कुमार की यात्रा कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण है। उनकी सफलता ने न केवल उनकी आजीविका में सुधार किया बल्कि साथी किसानों को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म अपनाने और प्रतिस्पर्धी बाजार में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाया।

आज राम कुमार हलद्वानी में एक सम्मानित और समृद्ध किसान के रूप में जाने जाते हैं। उनकी कहानी दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करती है, जो कृषि व्यापार के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का लाभ उठाने की अपार संभावनाओं को उजागर करती है।

6. जम्मू-कश्मीर और झारखंड के बीच अंतर-राज्य व्यापार

ई–नाम से जुड़े किसान को सम्मानित करते पदाधिकारी ● जागरण

झारखंड की आनलाइन कृषि मंडी देश को दिखा रही राह

- ई–नाम से किसानों को लाभ दिलाने में यह देश में रही है अव्वल
- कश्मीर की सोपोर ई मंडी से सेब की पहली खरीदार बनी धनबाद की मंडी

जासं, हजारीबाग : झारखंड की आनलाइन कृषि मंडी देश की अन्य मंडियों को राह दिखा रही है। वर्ष 2020 से लेकर अब तक हर मोर्चे पर कृषि पोर्टल ई–नाम के माध्यम से किसानों को लाभ दिलाने में यह देश में अव्वल रही है। बाजार में कीमतों अब कश्मीर के किसानों से ई–ट्रेड के माध्यम से पहली बार सेब खरीद कर धनबाद की मंडी ने एक बार फिर बाजी मारी है। झारखंड की इस पहल का केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने ट्वीट कर स्वागत किया।

झारखंड ई–नाम के नोडल पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह बताते हैं कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने व बिचौलियों की छुट्टी करने में ई मंडियां काफी अहम साबित हो सकती हैं। इससे लोगों को सस्ता उत्पाद भई सुलभ होगा। साथ ही किसानों को भी उचित मूल्य मिलेगा। राकेश कुमार सिंह बताते हैं कि बंगाल के चार एफपीओ हजारीबाग बाजार समिति से जुड़कर काम कर रहे हैं। वहीं, बिहार के 100 से अधिक किसान अलग–अलग मंडियों से जुड़कर ई–नाम के माध्यम से व्यापार कर रहे हैं। 27 नवंबर 2021 को बिहार से कृषि विभाग की टीम ई–नाम को समझने और परखने के लिए हजारीबाग पहुंचे थे। वह बताते हैं कि ई–नाम से किसानों को जोड़ने के लिए किसानों को इसका ब्रांड एंबेसडर बनाया गया।

सोपोर में ई–मंडी से बेचा 50 टन सेब

जम्मू कश्मीर से ई–मंडी से पहली बार अंतरराज्यीय बिक्री, बिचौलियों से मिलेगी निजात

- ट्रायल के तहत ई-मंडी से झारखंड भेजा, औपचारिक उद्घाटन जल्द
- स्थानीय व्यापारियों को बेचे गए सेब के अच्छे दाम भी मिले

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : कश्मीर के सेब उत्पादक अब बिना किसी बिचौलिए के देश-विदेश में सेब बेचने लगे हैं। यह संभव हुआ है ई-मंडी की सुविधा उपलब्ध होने से। स्थानीय सेब उत्पादकों ने बागवानी विभाग के योजना एवं विपणन विभाग के जरिए ई-मंडी की सुविधा का लाभ उठाते हुए करीब 50 टन सेब झारखंड को बेचा है। यह जम्मू कश्मीर से सेब की पहली अंतरराज्यीय बिक्री है।

कृषि उत्पादन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अटल डुल्लु ने कहा कि ई-मंडी (ई-नाम पोर्टल) के जरिए सोपोर की मंडी के सेब व्यापारियों ने झारखंड में करीब 50 टन सेब बेचा है। उन्हें इसके अच्छे दाम मिले हैं। मेरी जानकारी के मुताबिक, जम्मू कश्मीर से किसी अन्य राज्य को ई-नाम प्लेटफार्म पर पहली बार सेब बेचा गया है। अब हम अन्य राज्यों के साथ भी संपर्क कर रहे हैं। इसे लेकर हमारे सेब उत्पादक और व्यापारी काफी उत्साहित हैं, क्योंकि उन्होंने झारखंड की मंडी के तत्कालीन भाव की जानकारी ली और उसके आधार पर ही उन्होंने मोल-भाव किया और अपना माल बेचा है। मुझे लगता है कि सोपोर से बेचा गया यह सेब अब तक झारखंड में पहुंच चुका होगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही हम इसका औपचारिक उद्घाटन भी करेंगे। आप इसे एक ट्रायल भी कह सकते हैं।

उन्होंने बताया कि ई-नाम प्लेटफार्म के कारण बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो जाती है और किसान का मुनाफा बढ़ जाता है। खरीदार को भी फायदा होता है। विक्रेता को उसके माल के बदले पैसा उसके खाते में ही मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी प्रमुख मंडियों को ई-नाम प्लेटफार्म पर लाया गया है।

जम्मू की नरवाल मंडी, श्रीनगर की परिंपोरा, दक्षिण कश्मीर में शोपियां की अगलर और उत्तरी कश्मीर में सोपोर फल मंडी प्रमुख है। करीब ढाई हजार किसान, व्यापारी, कमीशन एजेंट, इन मंडियों से जुड़े हुए हैं। इनमें से करीब डेढ़ हजार तो सिर्फ जम्मू की नरवाल और श्रीनगर की परिंपोरा मंडी में ई-नाम पोर्टल पर पंजीकृत हैं।

सोपोर फल मंडी के अध्यक्ष फैयाज अहमद ने कहा कि ई-नाम से हम सभी खुश हैं। यह हमें बिचौलिओं से बचाएगी और हमारा मुनाफा बढ़ाएगी। लेकिन समस्या तो रास्ते की है। अगर हाईवे बंद होने से हमारे ट्रक तीन-चार दिन खड़े रहेंगे तो माल खराब होगा और उस समय हमारे माल की कीमत की भरपाई कौन करेगा। ई-मंडी के जरिए हमें अपना माल तुरंत खरीदार के पास पहुंचाना होता है। दिल्ली में चौबीस घंटे में तो किसी जगह अगले 48 घंटे में पहुंचाना है। सफर में कितना समय लगता है, इसे देखते हुए ही ट्रक में माल भरा जाता है। अगर समय अनुमान से ज्यादा लग जाए तो फिर सेब खराब हो सकता है।

7. केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से ई-नाम पर केसर का अंतरराज्यीय व्यापार

कश्मीर केसर, जिसकी खेती और कटाई जम्मू और कश्मीर के करेवा (ऊंचाई वाले इलाकों) में की जाती है, को भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री द्वारा भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग दिया गया है। यह मसाला जम्मू-कश्मीर के कुछ क्षेत्रों में उगाई जाती है, जिनमें पुलवामा, बडगाम, किश्तवाड़ और श्रीनगर शामिल हैं। केसर का प्रमुख उत्पादक जिला पुलवामा है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में किसानों के खेतों में उत्पादित केसर सर्वोत्तम गुणवत्ता का है जो दुनिया भर में उत्पादित केसर की तुलना में मजबूत स्वाद, सुगंध और रंग-प्रभाव प्रदान करता है।

संग्रह, कोल्ड स्टोरेज, स्टिग्मा पृथक्करण, गुणवत्ता मूल्यांकन, सुखाने, पैकिंग और कूरियर जैसी सभी सुविधाएं इंडिया इंटरनेशनल केसर ट्रेडिंग सेंटर/केसर पार्क, पंपोर पुलवामा, जम्मू-कश्मीर द्वारा प्रदान की जाती हैं। हाल ही में हमने भारत के कई राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों जैसे केरल, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, झारखंड आदि के साथ जीआई-टैग कश्मीर केसर की ई-ट्रेडिंग शुरू की है।

केसर उत्पादक खुश हैं कि उन्हें ई-नाम पोर्टल के माध्यम से अपनी उपज के लिए बेहतर कीमत मिली है और उन्होंने जेकेडीएचपीएम विभाग द्वारा ई-नाम पोर्टल पर केसर के ई-प्रशिक्षण की दिशा में उठाए गए कदम की सराहना की है, जिससे उन्हें पैन इंडिया के खरीदारों तक पहुंच मिल गई है।

8. केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से ई-नाम पर अखरोट का अंतरराज्यीय व्यापार

कश्मीर भारत में एक प्रमुख अखरोट उत्पादक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश है और भारत में कुल अखरोट उत्पादन में 98% से अधिक का योगदान देता है। कश्मीरी अखरोट अक्सर अपनी प्रीमियम गुणवत्ता और स्वाद के कारण लोगों द्वारा पसंद किया जाता है। अखरोट स्वस्थ वसा का एक बड़ा स्रोत है, ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर है, यह तांबा, फास्फोरस, फोलिक एसिड, मैंगनीज, विटामिन बी 6 और विटामिन ई जैसे महत्वपूर्ण विटामिन और खनिजों से समृद्ध है, अखरोट एंटीऑक्सिडेंट से बेहद समृद्ध है। प्रोटीन का भी एक प्रमुख स्रोत हैं। पूरे भारत में इन मेवों की भारी मांग है। ई-नाम ने किसानों और व्यापारियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म पर व्यापार करने के लिए एक आभासी मंच प्रदान किया है।

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के अखरोट उत्पादकों को उनकी उपज के लिए बाहरी खरीदारों तक पहुंच प्रदान की गई है, इसी तरह अखरोट के बाहरी खरीदार को अखरोट के इन-शेल या अखरोट गिरी के रूप में वास्तविक स्रोत से जैविक और प्रीमियम अखरोट खरीदने के लिए सीधे विपणन लिंकेज मिलता है।

जेकेडीएचपीएम विभाग के अनुरोध पर, जम्मू-कश्मीर अखरोट गिरी को भी ई-नाम कमोडिटी सूची में जोड़ा गया है और हाल ही में अखरोट के छिलके और गिरी का अंतरराज्यीय व्यापार भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों जैसे आंध्र प्रदेश, झारखंड और उत्तर प्रदेश के साथ किया गया है।

9. ई-नाम, ओडिशा के माध्यम से सूखी मछलियों का व्यापार।

ओडिशा एक तटीय राज्य है जहाँ विभिन्न श्रेणियों की सूखी मछलियाँ हमेशा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती हैं। ई-नाम के माध्यम से व्यापार के लिए इस वस्तु की क्षमता को देखते हुए, ओडिशा राज्य कृषि विपणन बोर्ड ने ई-नाम

के माध्यम से व्यापार के लिए इस वस्तु को शामिल करने के लिए एसएफएसी से मंजूरी मांगी।

एसएफएसी से मंजूरी मिलने के बाद अक्टूबर 2022 से राज्य में सूखी मछलियों का अंतर-मंडी व्यापार शुरू हो गया।

मार्च 2023 तक, विभिन्न श्रेणियों की सूखी मछलियों का कुल 266.10 क्विंटल का व्यापार ई-नाम में पूरी तरह से अंतर-मंडी मोड के माध्यम से किया गया है।

विभिन्न प्रकार की सूखी मछलियाँ रहमा मंडी से लेकर राज्य की अन्य मंडियों में बेची जा रही हैं।

ई-नाम से पहले सूखी मछली उत्पादक स्थानीय बाजारों में बिखरे हुए तरीके से बेचते थे। हालाँकि, ई-नाम के बाद जब उन्होंने बेचना शुरू किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि उसी अवधि में उनकी उपज स्थानीय बाजारों की तुलना में अधिक कीमत प्राप्त कर रही है। इसके अलावा विक्रेता ई-नाम के ई-भुगतान मोड के माध्यम से अपना विक्रय मूल्य अधिक सुरक्षित और त्वरित तरीके से प्राप्त करने में भी सक्षम हैं। इसलिए वे ई-नाम की सेवाओं से सचमुच बहुत खुश हैं।

जब ई-नाम की टीम ने सूखी मछली उत्पादकों से ई-नाम के माध्यम से व्यापार पर उनकी प्रतिक्रिया के बारे में संपर्क किया, तो उन्होंने उल्लेख किया कि उन्हें उसी अवधि में भौतिक बाजारों की तुलना में ई-नाम पर बेहतर कीमत प्राप्त हुई। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और आश्वासन दिया कि वे ई-नाम पर व्यापार करना जारी रखेंगे। उन्होंने रहामा आरएमसी के तहत रहामा मार्केट यार्ड और नुआगढ़ मार्केट यार्ड को हार्दिक धन्यवाद दिया और ई-नाम पर अपनी उपज की बोर्डिंग और ट्रेडिंग की सुविधा के लिए ई-नाम टीम को धन्यवाद दिया।

अनुलग्नक - I

एसएफएसी के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

क. (i) प्रमोटर सदस्य: भारत सरकार

1.	माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली-110001.	पदेन अध्यक्ष
2.	सचिव, विभाग. कृषि, सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली-110 001	पदेन उपाध्यक्ष
3.	सचिव, आर्थिक मामलों का विभाग (बैंकिंग प्रभाग), वित्त मंत्रालय, जीवन दीप बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110 001	पदेन सदस्य (सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा नामांकित)
4.	प्रधान सलाहकार (कृषि) नीति आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली - 110 001	पदेन सदस्य (सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा नामांकित)
5	अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली।	पदेन सदस्य (सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा नामांकित)
6.	संयुक्त सचिव (एनएचएम), कृषि, सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार,कृषि भवन, नई दिल्ली।	पदेन सदस्य (सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा नामांकित)
7.	संयुक्त सचिव (विपणन), कृषि, सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि भवन, नई दिल्ली।	पदेन सदस्य (सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा नामांकित)
8.	अध्यक्ष, एपीडा एनसीयूआई ऑडिटोरियम कॉम्प्लेक्स, चौथी मंजिल, 3, सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, हौज़ खास, नई दिल्ली-110016।	पदेन सदस्य (सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा नामांकित)
9.	आर्थिक सलाहकार, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, पंचील मार्ग, अगस्त क्रांति मार्ग, नई दिल्ली	पदेन सदस्य (सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा नामांकित)
क (ii) प्रमोटर सदस्य: पांच स्थायी निदेशक		
10.	डिप्टी गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह रोड, मुंबई-400001	प्रमोटर सदस्य
11.	अध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, सी-24, 'जी' ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, पी.बी. नंबर 8121, बांद्रा (पूर्व), मुंबई-400051	प्रमोटर सदस्य
12.	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, आईडीबीआई टावर, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर कॉम्प्लेक्स, कफ परेड, मुंबई-400005	प्रमोटर सदस्य
13.	अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक, कॉर्पोरेट सेंटर, स्टेट बैंक भवन, मैडम कामा रोड, मुंबई-400021	प्रमोटर सदस्य

14.	प्रबंध निदेशक एवं सीईओ,पंजाब नेशनल बैंक, प्लॉट नं.04, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075	प्रमोटर सदस्य
ख(i)प्राथमिक सदस्य- वित्तीय संस्थान, बैंक, विदेशी कंपनियों सहित निजी कंपनियां- चार निर्वाचित निदेशक		
15.	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, केनरा बैंक, प्रधान कार्यालय, 112, जे.सी. रोड, बैंगलोर-560002	निर्वाचित सदस्य
16.	निदेशक, मेसर्स एग्री-नेट सॉल्यूशंस लिमिटेड, रेडी मनी टेरेस, चौथी मंजिल, एनी बेसेंट रोड, वर्ली नाका, मुंबई-400018	निर्वाचित सदस्य
17.	प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, केंद्रीय कार्यालय, पीओ बॉक्स 10046, बैंक ऑफ बड़ौदा, 9वीं मंजिल, बड़ौदा कॉर्पोरेट सेंटर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा, मुंबई-400051	निर्वाचित सदस्य
18.	रिक्त	
ख(i) प्राथमिक सदस्य- वित्तीय संस्थान, बैंक, विदेशी कंपनियों सहित निजी कंपनियां- चार निर्वाचित निदेशक		
19.	प्रबंध निदेशकभारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड, नेफेड हाउस, सिद्धार्थ एन्क्लेव, रिंग रोड, आश्रम चौक, नई दिल्ली-110014	निर्वाचित सदस्य
20.	रिक्त	
21.	रिक्त	
22.	रिक्त	
सोसायटी के मुख्य कार्यकारी और सदस्य सचिव (प्रबंधन बोर्ड द्वारा नियुक्त किया जाएगा)		
23.	प्रबंध निदेशक लघु कृषक कृषि-व्यवसाय कंसोर्टियम, 5वीं मंजिल, एनसीयूआई ऑडिटोरियम बिल्डिंग, 3, सिरी इंस्टीट्यूशनल एरिया, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज़ खास, नई दिल्ली-110016	सोसायटी के पदेन सदस्य एवं सचिव
स्थाई आमंत्रित		
1.	प्रबंध निदेशक, भारतीय निर्यात-आयात बैंक, सेंटर वन बिल्डिंग, मंजिल 21, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर कॉम्प्लेक्स, कफ परेड, मुंबई-400005	सदस्य

बिंद्रा एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट

एफ-14, ईस्ट ऑफ़ कैलाश, नई दिल्ली-110065

टेलीफोन: 011-41622546, 41622547
मोबाइल: 9810116048, 9818698496
ई-मेल:cabindra@gmail.com

स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्यगण,
लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर रिपोर्ट

अभिमत

हमने **लघु कृषक कृषि व्यापार संघ,** नई दिल्ली ("सोसाइटी") के संलग्न वित्तीय विवरणों, जिसमें 31 मार्च 2023 तक का तुलन-पत्र, और उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखे, और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है, की लेखापरीक्षा की है।

हमारे मत में और हमारी जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय विवरण भारत में प्रायः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं:

क) 31 मार्च, 2023तक सोसायटी के तुलन-पत्र के मामले की स्थिति;
ख) आय और व्यय लेखे के मामले में, उसी तारीख को समाप्त वर्ष का अधिशेष।

मत का आधार

हमने भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी लेखांकन (एसए) मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। उन मानकों के अंतर्गत हमारा उत्तरदायित्व हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण भाग की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व में आगे वर्णित किया गया है। हम भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार सोसाइटी से स्वतंत्र हैं और हमने इन अपेक्षाओं और आचार संहिता के अनुसार अपने अन्य नैतिक उत्तरदायित्व का निर्वाह किया है। हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे मत को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

मामलों पर प्रमुखता

हम टिप्पणियों की टिप्पणी 6 पर ध्यान आकर्षित करते हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के लेखों में कहा गया है कि तृतीय पक्ष की पुष्टि के अभाव में, विविध देनदारों, विविध लेनदारों, प्रतिभूति जमा के शेष और विभिन्न पक्षों को प्रदत्त अग्रिम को सोसायटी के रिकॉर्ड के अनुसार लिया गया है।

अन्य मामले

गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय के लेखों की दिल्ली-प्रधान कार्यालय से दूरस्थ रूप से जांच की गई है और इसलिए, विभिन्न पक्षों को सभी शेष राशि और लेनदेन सोसायटी के रिकॉर्ड के अनुसार लिए गए हैं और हमने उनपर विश्वास किया है। इन्हें लेखों में समाहित किया गया है।

वित्तीय विवरणों और लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के अतिरिक्त अन्य जानकारी

सोसायटी प्रबंधन अन्य जानकारी की तैयारी के लिए उत्तरदायी है। अन्य सूचना में बोर्ड की रिपोर्ट और बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नकों में निहित सूचना शामिल है, लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और उस पर हमारी लेखापरीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों पर हमारे मत में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारा उत्तरदायित्व अन्य जानकारी को पढ़ना है और ऐसा करने में, विचार करना कि क्या अन्य जानकारी वित्तीय विवरणों या हमारे लेखापरीक्षा के दौरान प्राप्त हमारे ज्ञान में महत्वपूर्ण रूप से असंगत है या अन्यथा मिथ्या प्रतीत होती है।

यदि, हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी में महत्वपूर्ण मिथ्याकथन है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करने की आवश्यकता है। इस संबंध में हमें कुछ भी रिपोर्ट नहीं करना है।

प्रबंधन के उत्तरदायित्व और स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के शासन के लिए उत्तरदायी

सोसाइटी प्रबंधन वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में उत्तरदायी है जो वित्तीय स्थिति का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, सोसाइटी का वित्तीय निष्पादन भारत में प्रायः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार है। इस उत्तरदायित्व में सोसायटी की परिसंपत्तियों की अभिरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; उचित और विवेकपूर्ण निर्णय और अनुमान बनाना; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव के लिए पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक थे जो एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और महत्वपूर्ण मिथ्याकथन से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन संचालन जारी रखने की सोसायटी की क्षमता का आकलन करने, यथालागू प्रकटन करने, संचालन जारी रखने से सम्बंधित मामले और लेखांकन के संचालन जारी रखने के आधार का उपयोग करना जब तक प्रबंधन अथवा सोसाइटी को समाप्त करने या संचालन बंद करने की मंशा नहीं है, या ऐसा करने के अलावा कोई यथार्थवादी विकल्प नहीं है, के लिए उत्तरदायी है।

शासन के लिए उत्तरदायी व्यक्ति सोसायटी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी उत्तरदायी हैं।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण समग्र रूप से महत्वपूर्ण मिथ्याकथन से मुक्त हैं, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और लेखापरीक्षक जारी करना जिसमें हमारे मत शामिल है। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार आयोजित लेखापरीक्षा हमेशा महत्वपूर्ण मिथ्याकथन का पता लगाएगा, जब यह हो। मिथ्याकथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकता है और महत्वपूर्ण माना जाता है, यदि व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, उनसे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की आशा हो।

लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा के हिस्से के रूप में, हम व्यावसायिक निर्णय लेते हैं और पूरी लेखापरीक्षा में व्यावसायिक संदेह बनाए रखते हैं। हम भी करते हैं:

- वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण मिथ्याकथन के जोखिमों की पहचान करना और उनका आकलन करना, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करना, और लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारे मत के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण मिथ्याकथन का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, मिथ्याकथन या आंतरिक नियंत्रण की उलघंन शामिल हो सकता है।

- लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखापरीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करना जो परिस्थितियों में उपयुक्त हैं, लेकिन इस बात पर हमारा मत व्यक्त नहीं करना कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता है।

- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।

- लेखांकन के आधार पर प्रबंधन के संचालन की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकलना और, प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या कार्यों या स्थितियों से संबंधित एक बड़ी अनिश्चितता मौजूद है जो सोसाइटी के संचालन जारी रखने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह डाल सकती है। यदि हम निष्कर्ष निकालते हैं कि एक बड़ी अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपनी लेखापरीक्षक रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरण पर या, यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त हैं, तो हमारे मत को संशोधित करने के लिए ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य की घटनाओं या स्थितियों के कारण सोसाइटी का संचालन जारी रहना बंद कर सकता है।

- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करना, और क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त करते हैं।

हम अन्य मामलों के अलावा, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के बारे में शासन के उत्तरदायी लोगों के साथ संवाद करते हैं, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में कोई भी महत्वपूर्ण कमी शामिल है जिसे हम अपने लेखापरीक्षा के दौरान पाते हैं।

हम शासन के उत्तरदायित्व व्यक्तियों को कथन भी प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उनके साथ उन सभी संबंधों और अन्य मामलों जिन्हें यथोचित रूप से हमारी स्वतंत्रता पर सहन करने के लिए सोचा जा सकता है, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय पर संवाद किया है।

अन्य मामलों पर रिपोर्ट

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

क) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्यों के लिए आवश्यक थे।

ख) हमारे मत में, सोसायटी ने विधि द्वारा आवश्यक उचित पुस्तकों का रखरखाव किया है, जहां तक यह उन पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।

ग) इस रिपोर्ट द्वारा संव्यवहारित तुलन-पत्र, आय और व्यय लेखा, लेखों के अनुरूप हैं।

कृते बिंद्रा एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन संख्या 004434N

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 27/09/2022

सीए. मोहिंदर पाल सिंह
साझेदार
सदस्यता संख्या 082220
यूडीआईएन: 23082220BGWKSN6989

31 मार्च, 2023 का तुलन-पत्र

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2023 को	31 मार्च, 2022 को
कॉर्पस/पूंजी निधि			
कॉर्पस/पूंजी निधि	1	114,500,000	114,500,000
सामान्य निधि (आरक्षित और अधिशेष)	2	649,212,093	726,159,542
वृत्तिका निधि (निवल)	3	64,523,457,724	59,296,691,232
सुरक्षित ऋण और उधार	4	-	78,722,559
चालू देयताएं और प्रावधान	5	45,641,024	54,102,700
अचल परिसंपत्तियां (कॉन्ट्रा)	6	49,601,128	52,277,067
योग		**65,382,411,969**	**60,322,453,100**
परिसंपत्तियां			
अचल परिसंपत्तियां (कॉन्ट्रा)	6	49,601,128	52,277,013
ऋण और अग्रिम	7	9,772,000	9,772,000
निवेश- (एफडीआर और उपार्जितब्याज)	8	59,084,370,070	54,093,986,648
चालू परिसंपत्तियां,	9	6,238,668,770	6,166,417,439
विविध व्यय (बट्टे खाते नहीं डेल गए या समायोजित नहीं किए गए सीमा तक)			
योग		**65,382,411,969**	**60,322,453,100**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	14		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	15		

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

कृते बिंद्रा एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन संख्या 004434N

सीए. मोहिंदर पाल सिंह
साझेदार

सदस्यता संख्या 082220

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

दिनांक: 27.09.2023
स्थान: नई दिल्ली

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि/वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

आय	अनुसूची	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
बिक्री/सेवाओं से आय	10	38,256,715.82	38,646,843.00
अर्जित ब्याज	11	53,355,626.65	66,248,654.00
अन्य आय	12	5,109,368.57	7,260,213.00
योग (क)		**96,721,711.04**	**112,155,710.00**
व्यय			
स्थापना और अन्य प्रशासनिक खर्चे आदि	13	32,605,987.65	16,413,593.00
बेचे गए माल की लागत (अथ+क्रय-इति)		(26,299,439.44)	5,519,715.00
योग (ख)		**6,306,548.21**	**21,933,308.00**
शेष राशि अधिशेष/(घाटा) सामान्य निधि (भंडार एवं अधिशेष) में अग्रेनीत		**90,415,162.83**	**90,222,401.00**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	14		
आकस्मिक देयताएं और लेखों पर टिप्पणियां	15		

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

कृते बिंद्रा एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन संख्या 004434N

सीए. मोहिंदर पाल सिंह
साझेदार

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

सदस्यता संख्या 082220
दिनांक: 27.09.2023
स्थान: नई दिल्ली

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची '1' : कॉर्पस निधि अंशदान का ब्यौरा

(राशि रुपए में)

सदस्यों की सूची	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
प्रमोटर सदस्य		
भारत सरकार (कृषि मंत्रालय)	7,500,000.00	7,500,000.00
भारतीय रिजर्व बैंक	15,000,000.00	15,000,000.00
राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक	15,000,000.00	15,000,000.00
भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	15,000,000.00	15,000,000.00
भारतीय स्टेट बैंक	15,000,000.00	15,000,000.00
ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	15,000,000.00	15,000,000.00
प्राथमिक सदस्य		
केनरा बैंक	5,000,000.00	5,000,000.00
यूनाइटेड फॉस्फोरस लिमिटेड,	5,000,000.00	5,000,000.00
भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड	2,000,000.00	2,000,000.00
बैंक ऑफ बड़ौदा	5,000,000.00	5,000,000.00
स्थायी आमंत्रित सदस्य		
भारतीय निर्यात आयात बैंक	15,000,000.00	15,000,000.00
योग	**114,500,000.00**	**114,500,000.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची '2' : सामान्य निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
विगत तुलन-पत्र,मुख्यालय के अनुसार अथ शेष	768,996,460.96	557,782,126.64
विगत तुलन-पत्र,क्षेत्रीय कार्यालय के अनुसार अथ शेष	(40,549,222.40)	(40,549,222.40)
विगत तुलन-पत्र, मुख्यालय+क्षेत्रीय कार्यालय के अनुसार अथ शेष	728,447,238.56	517,232,904.24
घटा-: समायोजन	(378,945,559.00)	
व्यय से अधिक आय (निवल)	90,415,162.83	90,222,401.63
जमा: लाभ और हानि अथ शेष	(2,289,446.34)	125,754,263.96
घटा-: समायोजन	2,289,446.00	
जमा: वित्त वर्ष 2016-17 के बाद से संचित आय	209,295,251.41	
घटा: पिछले वर्ष आयकर के लिए किया गया समायोजन	-	(7,051,777.00)
चिकित्सा योगदान	-	1,750.00
	649,212,093.46	726,159,542.83

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची 3 अंकित वृत्तिका निधियां

(राशि रुपए में)

निधि का उपयोग	अनुसूची	क) निधियों का अथ शेष:	ख) निधियों में वृद्धि	योग(क+ख)	ग) निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय	उद्यम पूंजी का उपयोग (अनुलग्नक ख')	डीएसी/ एमएफपीआई को प्रतिदाय	योग(ग)	तुलन-पत्र के अनुसार.(क+ख+ग)
टेक मिशन		408,199.00	-	408,199.00			-	-	408,199.00
उद्यम पूंजी	3कऔर ख	318,744,648.33	1,154,916,207.50	1,473,660,855.83	1,104,591,106.80	-	-	1,104,591,106.80	369,069,750.03
बफर स्टॉक (पीएसएफ)		731,713,226.54	3,053,358.00	734,766,584.54	393,197.90			393,197.90	734,373,386.64
बफर स्टॉक (पीएसएस)		2,093,788.00		2,093,788.00				-	2,093,788.00
केंद्रीय नोडल एजेंसी (एसएफएसी)-10000 एफपीओ		-	3,819,091,308.19	3,819,091,308.19	2,134,4 29,355.50			2,134,429,355.50	1,684,661,952.69
ईजीसीजी		1,732,975,773.60	49,784,371.86	1,782,760,145.46	659,595,193.88			659,595,193.88	1,123,164,951.58
एफएफपीओ-डीएसी		76,200.00		76,200.00	-			-	76,200.00
एफएफपीओ- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना		-	335,687,500.00	335,687,500.00	-			-	335,687,500.00
एफएमडीसीपी		-		-	-			-	-
सामान्य (एनवीआई)		(3,145,182.00)	-	(3,145,182.00)	2,231,140.00			2,231,140.00	(5,376,322.00)
कर्नाटक राज्य मसाला विकास बोर्ड		895,150.00		895,150.00				-	895,150.00
किसान मंडी		34,099,852.30		34,099,852.30	25,817.30			25,817.30	34,074,035.00
एमबीडीए		1,537,024.00		1,537,024.00	-			-	1,537,024.00
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (डीएसी)		383,417.02		383,417.02	-			-	383,417.02
एमएसजी (एनवीआई)		-	-	-	649.00			649.00	(649.00)
राष्ट्रीय कृषि विपणन		72,927,545.10	199,259,393.00	272,186,938.10	263,291,012.50			263,291,012.50	8,895,925.60
एनडीपी-एनएफएसएम		78,738,853.00	117,748,500.00	196,487,353.00	121,994,728,.00			121,994,728.00	74,492,625.00
पीएफडीसी		1,485,394.50		1,485,394.50	1,485,394.50			1,485,394.50	-

पीएम-किसान		2,155,618.07	242,214.00	2,397,832.07	2,155,618.07			2,155,618.07	242,214.00
मूल्य स्थिरता निधि	3सी	54,941,930,477.42	50,222,363,505.39	105,164,293,982.81	45,833,045,804.68			45,833, 045,804.68	59,331,248,178.13
दालें		25,307,803.00		25,307,803.00				-	25,307,803.00
आरकेवीवाई		(511,592.00)		(511,592.00)				-	(511,592.00)
आरकेवीवाई-डीएसी		6,312,900.00		6,3 12,900.00	-			-	6,3 12,900.00
आरओ गुवाहाटी परियोजना		12,976,695.00	3,178,158.00	16,154,853.00	12,784,687.00			12,784,687.00	3,370,166.00
रायथू बाजार	आरओ	1,335,039.00		1,335,039.00				-	1,335,039.00
10000 एफपीओ के गठन और संवर्धन के लिए योजना		1,161,795,401.00	969,744,355.00	2,131,539,789.00	1,483,884,492.00			1,483,884,492.00	647,655,297.00
(एनवीआई) के तहत विशेष परियोजनाएं		49,544,320.00		49,544,320.00	22,192,850.00			22,192,850.00	27,351,470.00
वेज पहल		122,910,681.00	-	I22,910,681.00	6,201,366.00			6,201,366.00	116,709,315.00
चालू वर्ष **(2022-2023)**		**59,296,691,231.88**	**56,875,068,903.94**	**116,171,760,135.82**	**51,648,302,413.13**	**-**	**-**	**51,648,302,413.13**	**64,523,457,723.69**
विगत वर्ष **(2021-2022)**		**32,867,181,208.07**	**162,007,587,527.14**	**194,874,768,735.21**	**94,256,362,680.59**	**(138,205,289.00)**	**21,086,149.00**	**94,139,243,540.59**	**100,735,525,194.62**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची '3-क' : उद्यम पूंजी

(राशि रुपए में)

विवरण			31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
उद्यम पूंजी सहायता निधि				
अथ शेष		318,744,648.00		
उद्यम पूंजी सहायता शेष				
जमा: डीएसी से प्राप्त अनुदान		27,265,114.80		
प्रशासनिक व्यय अनुदान से प्राप्त				
वीसीए (प्रशासनिक व्यय) से प्राप्त				
प्रचार अनुदान से प्राप्त				
परियोजना विकास निधि से प्राप्त				
घटा: निवल राशि पीडीएफ में अंतरित				
निवल राशि प्रचार अनुदान में अंतरित				
वीसीए को अंतरित निवल राशि (प्रशासनिक व्यय)				
प्रशासनिक व्यय अनुदान				
डीएसी को प्रतिदेय (लाभार्थियों द्वारा वापस किया गया वीसीए)		(1,095,835,773.47)		6,130,978,583.00
वसूलनीय उद्यम पूंजी सहायता				(5,869,649,730.34)
परियोजना विकास निधि				
अथ शेष				
अप्रयुक्त परियोजना विकास		1,127,651,092.70		
जमा: वीसीए से प्राप्त निवल अनुदान				
घटा: व्यय				
वीसीए सहायता में अंतरित				14,884,000.00
प्रचार अनुदान				
अथ शेष				
जमा:वीसीए से प्राप्त निवल अनुदान				
घटा:व्यय				
वीसीए सहायता में अंतरित		(8,755,333.00)		16,529,544.00
प्रशासनिक व्यय अनुदान				
अथ शेष				
जमा:प्राप्त अनुदान				
घटा:प्रशासनिक व्यय				26,002,251.67
वीसी सहायता में अंतरित				
योग		**369,069,749.03**		**318,744,648.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची '3-ख' : उद्यम पूंजी

(राशि रुपए में)

विवरण	अथ शेष	लेनदेन		इति शेष
		नामे	जमा	
वित्त वर्ष 2008-09 से पहले	204,061,183.00	-	-	204,061,183.00
वित्त वर्ष 2008-09	57,649,000.00	-	510,000.00	57,139,000.00
वित्त वर्ष 2009-10	73,008,000.00	80,000.00	5,455,000.00	67,633,000.00
वित्त वर्ष 2010-11	60,584,000.00	10,291.00	310,291.00	60,284,000.00
वित्त वर्ष 2011-12	119,243,198.00	5,303,012.00	28,582,010.00	95,964,200.00
वित्त वर्ष 2012-13	123,057,250.00	245,789.00	16,926,539.00	106,376,500.00
वित्त वर्ष 2013-14	229,726,440.42	1,084,726.00	59,541,181.00	171,269,985.42
वित्त वर्ष 2014-15	384,971,597.72	885,375.00	154,120,300.70	231,736,672.02
वित्त वर्ष 2015-16	190,344,250.00	75,846.00	99,469,596.00	90,950,500.00
वित्त वर्ष 2016-17	628,756,000.00	418,525.00	263,849,025.00	365,325,500.00
वित्त वर्ष 2017-18	823,532,812.00	193,273.00	269,347,904.00	554,378,181.00
वित्त वर्ष 2018-19	1,175,748,000.00	458,496.00	172,457,246.00	1,003,749,250.00
वित्त वर्ष 2019-20	961,665,999.20	-	37,585,000.00	924,080,999.20
वित्त वर्ष 2020-21	399,691,000.00	-	9,902,000.00	389,789,000.00
वित्त वर्ष 2021-22	437,611,000.00	-	8,930,000.00	428,681,000.00
				-
योग	**5,869,649,730.34**	**8,755,333.00**	**1,126,986,092.70**	**4,751,418,970.64**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची
अनुसूची '3-ग' : मूल्य स्थिरीकरण निधि

(राशि रुपए में)

विवरण		31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
अथ शेष		54,941,771,275.42	
जमा: प्राप्त अनुदान	9,413,856.39		
एफडीआर (पीएसएफ) से प्राप्त ब्याज)	2,349,882,416.00	50,222,363,505.39	
मैसर्स एमएमटीसी लिमिटेड से बिक्री आय	-		
मैसर्स एसएफएसी से बिक्री आय	-		
मैसर्स एसटीसी से बिक्री आय	-		
मैसर्स भारतीय खाद्य निगम से बिक्री आय	-		
मैसर्स नेफेड से बिक्री आय	47,863,067,233.00		
घटा: डीओसीए को प्रतिदेय		-	158,626,207,851.38
घटा: केंद्रीय एजेंसियों को कार्यशील पूंजी अग्रिम भुगतान			
सीआईपीएचइटी	-		
में खरीद और संवितरण-असम के लिए	-		
कॉर्पस फंड	-		
आंध्र प्रदेश सरकार-पीएसएफ	-		
असम सरकार	-		
जम्मू और कश्मीर सरकार	-		
कर्नाटक सरकार	-		
मणिपुर सरकार	-		
मेघालय सरकार	-		
मिजोरम सरकार	-		
ओडिशा सरकार-पीएसएफ	-		
सिक्किम सरकार	-		
तमिलनाडु सरकार	-		
तेलंगाना सरकार	-		
तेलंगाना सरकार-पीएसएफ	-		
त्रिपुरा सरकार	-		
पश्चिम बंगाल सरकार-पीएसएफ	-		
मैसर्स भारतीय खाद्य निगम	-		
मैसर्स एमएमटीसी लिमिटेड	-		
मैसर्स एसटीसी लिमिटेड	-		
मैसर्स एसएफएसी	11,809,856.00		
नेफेड	41,395,416,652.60		
राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ)	4,425,660,094.00		
एनपीसी	-	**(45,832,886,602.68)**	**103,684,436,575.83**
योग		**59,331,248,178.13**	**54,941,771,275.42**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर प्रबंधक
(वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची-4 सुरक्षित ऋण और उधार

(राशि रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
	मुख्यालय	मुख्यालय
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सीसी लेखा	-	78,722,559.37
कुल	-	**78,722,559.37**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची - 5 चालू देयताएं और प्रावधान

(राशि रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष			31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष		
	मुख्यालय	क्षेत्रीय कार्यालय	योग	मुख्यालय	क्षेत्रीय कार्यालय	योग
लेखापरीक्षा शुल्क	54,000.00		54,000.00	109,250.00	-	109,250.00
छत्तीसगढ़ सरकार	375,000.00		375,000.00	375,000.00		375,000.00
देय कमीशन	-		-			-
देय अनुबंध वेतन (वी.सी.ए.)	-		-	-		-
देय बयाना राशि	40,000.00		40,000.00	160,000.00	-	160,000.00
ईएमओ बोरा फेनिलाइज़र एनबीएम आरओ	10,000.00		10,000.00	-	-	-
ईएमओ उतरन एनबीएम आरओ	5,000.00	-	5,000.00	-	5,000.00	5,000.00
देय व्यय (अन्य)	11,774,736.00		11,774,736.00	32,258,179.00	-	32,258,179.00
सरकारी देय राशि	451,589.00		451,589.00	354,465.00		354,465.00
देय उपदान	1,51,62,397.00		15,162,397.00	728,482.00		728,482.00
देय जीएसटी	-		-	145,841.50		145,841.50
देय ब्याज (वीसीए ब्याज)	7,059,027.79		7,059,027.79	4,535,228.92		4,535,228.92
देय छुट्टी नकदीकरण	-		-	610,583.00		610,583.00
देय एलटीसी व्यय	-		-			-
देय समाचार- पत्र खर्च	-		-		-	-
पी.टैक्स आरओ	-		-	-	416.00	416.00
पीएफ/ईपीएफ नियोक्ता शेयर आरओ	-	-	-	-	13,372.00	13,372.00
पीएफ/ईपीएफ का अपना शेयर आरओ	-	-	-	-	12,765.00	12,765.00
देय व्यावसायिक शुल्क	421,157.00		421,157.00	428,684.00		428,684.00
कंप्यूटर और प्रिंटर की खरीद के लिए प्रावधान	107,593.00		107,593.00			
देय वेतन	2,168,153.00		2,168,153.00	1,417,988.00	99,021.00	1,517,009.00
प्रतिभूति जमा (क्रिएटिव ऑफसेट)	10,000.00		10,000.00	10,000.00		10,000.00
प्रतिभूति जमा(सीए अग्रवाल और ढांढनिया)	10,000.00		10,000.00			
प्रतिभूति जमा- आरपी पंडित (पीएसएफ-सीए)	30,000.00		30,000.00			
प्रतिभूति जमा (के. वी. गौरीलिवहुड)	10,000.00		10,000.00	10,000.00		10,000.00
प्रतिभूति जमा सेंसर विज्ञापन	5,000.00		5,000.00			
प्रतिभूति जमा (मोराइन समूह)	5,800.00		5,800.00	5,800.00		5,800.00
प्रतिभूति जमा जेस्को ठेकेदार (इलेक्ट्रिकल)	12,184.00		12,184.00			
सिक्योरिटी डिपॉजिट (नेहा रेंट ए कार) जीएफ	-		-	20,000.00		20,000.00
प्रतिभूति जमा (एस.के. पटोदिया सीए)	11,000.00		11,000.00	11,000.00		11,000.00
प्रतिभूति जमा फ्लैट 15-टी (एपीडा)	15,750.00		15,750.00	15,750.00		15,750.00

प्रतिभूति जमा मेसर्स नोबल इंजीनियर (ए.सी.)	8,000.00		8,000.00	8,000.00		8,000.00
प्रतिभूति जमा	-		-	10,840.00		10,840.00
प्रतिभूति जमा (निविदा शुल्क) केएम			-	280,000.00	-	280,000.00
प्रतिभूति जमा (निविदा शुल्क) एनएएम			-	-		-
प्रतिभूति जमा (फ्लैट)	786,263.00		786,263.00	682,658.00		682,658.00
देय प्रतिभूति (के.वी. गौरीलीवेलीहुड)	-		-	10,000.00		10,000.00
देय प्रतिभूति (आरएमएल) जनरल फंड			-	100,000.00		100,000.00
विविध लेनदार (पीएसएफ/पल्स)	6,294.00		6,294.00	6,294.00		6,294.00
विविध लेनदार-केएम	270,000.00		270,000.00			
देय टीडीएस	6,832,080.00		6,832,080.00	11,678,083.00		11,678,083.00
देय टेलीफोन व्यय			-		-	-
देय ट्यूशन फीस			-			-
			-			-
योग	**45,641,023.79**	**-**	**45,641,023.79**	**53,972,126.42**	**99,021.00**	**5,41,02,700.42**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर प्रबंधक
(वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची
अनुसूची - 6 अचल संपत्तियों का सारांश

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
सामान्य निधि एच.ओ.	6-A	1,214,282.00	1,420,516.00
सामान्य निधि आर.ओ.	6-A	66,053.00	76,288.00
भारत सरकार निधि	6-B	45,509,446.45	47,947,793.00
वीसीए निधि	6-C	1,867,209.43	2,135,400.00
एमएसजी निधि	6-D	143.00	238.00
किसान मंडी निधि	6-E	-	-
पीएसएफ निधि	6-F	111,633.00	139,050.00
एनएएम निधि	6-G	461,431.00	536,104.00
ईजीसीजीसी निधि	6-H	304,877.00	21,624.00
अचल परिसंपत्तियां आर.ओ.		66,053.00	-
योग		**49,601,127.88**	**52,277,013.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची '6-क' •अचल परिसंपत्तियां (सामान्य निधि}

(राशि रुपए में)

विवरण	ब्लॉक	01.04.2021 को ह्रासित मूल्य	30.09.2021 तक परिवर्धन	30.09.2021 के बाद परिवर्धन	बिक्री/बट्टे-खाते	31.03.2022 को कुल	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31.03.2022 को ह्रासित मूल्य
फर्नीचर और फिक्स्चर	10%							
एच.ओ.		330,619.00		-	-	330,619.00	33,062.00	297,557.00
आर.ओ.		29,512.00		-	-	29,512.00	2,951.00	26,561.00
वाटर डिस्पेंसर	10%	3,680.00	-	-	-	3,680.00	368.00	3,312.00
फोटोकॉपियर कैनन	15%	87,039.00	-	-	-	87,039.00	13,056.00	73,983.00
रेफ्रिजरेटर	15%	1,137.00	-	-	-	1,137.00	171.00	966.00
टी.वी. सेट	15%	9,834.00	-	-	-	9,834.00	1,475.00	8,359.00
एयर कंडीशनर (आर.ओ.)	15%	22,259.00	-	-	-	22,259.00	3,339.00	18,920.00
डिजिटल कैमरा (आर.ओ.)	15%	1,335.00	-	-	-	1,335.00	200.00	1,135.00
मोबाइल हैंडसेट (आर.ओ.)	15%	4,448.00	-	-	-	4,448.00	667.00	3,781.00
ओमनी कार (एच.ओ.)	15%	37,029.00	-	-	-	37,029.00	5,554.00	31,475.00
एप्पल आई·पैड	15%	13,081.00	-	-	-	13,081.00	1,962.00	11,119.00
सीसीटीवी कैमरा	15%	9,156.00	-	-	-	9,156.00	1,373.00	7,783.00
दीवार/एग्जास्ट	15%	2,035.00	-	-	-	2,035.00	305.00	1,730.00
कार्यालय उपकरण	15%							
एच.ओ.		100,370.00	-	-	-	100,370.00	15,056.00	85,314.00
टेलीफोन (एच.ओ.)	15%	132,456.00	-		-	132,456.00	19,868.00	112,588.00
विद्युत् उपकरण	15%							
एच.ओ.		20,256.00	-	-	-	20,256.00	3,038.00	17,218.00
आर.ओ.		879.00	-	-	-	879.00	132.00	747.00
कंप्यूटर और सहायक उपकरण	40%							
एच.ओ.		711.00	-	-	-	711.00	284.00	427.00
आर.ओ.		1,067.00	-	-	-	1,067.00	427.00	640.00

लैपटॉप	40%	38,473.00	-	-	-	38,473.00	15,389.00	23,084.00
ज़ेरॉक्स मशीन आर.ओ.	15%	12,603.00	-	-	-	12,603.00	1,890.00	10,713.00
कार (सियाज)· एच.ओ.	15%	634,550.00	-	-	-	634,550.00	95,183.00	539,367.00
फ़ैक्स मशीन आर.ओ.	15%	1,397.00	-	-	-	1,397.00	210.00	1,187.00
इन्वर्टर आर.ओ.	15%	1,850.00	-	-	-	1,850.00	278.00	1,572.00
वाटर फिल्टर-कम-प्यूरिफायर आर.ओ.	15%	938.00	-	-	-	938.00	141.00	797.00
योग		**1,420,426.00**	**-**	**-**	**-**	**1,420,426.00**	**206,144.00**	**1,214,282.00**
योगआर.ओ.		**76,288.00**				**76,288.00**	**10,235.00**	**66,053.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची '6-ख' अचल परिसंपत्तियां (भारत सरकार निधि)

(राशि रुपए में)

विवरण	ब्लॉक	01.04.2022 को ह्रासित मूल्य	30.09.2022 तक परिवर्धन	30.09.2022 तक परिवर्धन	बिक्री/बट्टे-खाते	31.03.2023 को कुल	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31.03.2023 को ह्रासित मूल्य
पट्टा-धारित भवन	0.05	28,780,464.00	-	-	-	28,780,464.00	1,439,023.00	27,341,441.00
फ्लैट	0.05	18,522,218.00	-	-	-	18,522,218.00	926,111.55	17,596,106.45
फर्नीचर और फिक्स्चर	0.10	471,058.00	-	-	-	471,058.00	47,105.40	423,952.60
एयर कंडीशनर	0.15	48,198.00	-	-	-	48,198.00	7,229.75	40,968.25
फ़ैक्स मशीन	0.15	1,281.00	-	-	-	1,281.00	192.05	1,088.95
कार्यालय उपकरण	0.15	63,293.00	-	-	-	63,293.00	9,493.75	53,799.25
फोटोकॉपियर	0.15	8,243.00	-	-	-	8,243.00	1,236.65	7,006.35
टेलीफोन उपकरण	0.15	15,016.00	-	-	-	15,016.00	2,251.95	12,764.05
डीजी सेट	0.15	29,272.00	-	-	-	29,272.00	4,390.55	24,881.45
अग्निशमन उपकरण	0.15	8,751.00	-	-	-	8,751.00	1,312.90	7,438.10
योग		**47,947,794.00**	**-**	**-**	**-**	**47,947,794.00**	**2.438,347.55**	**45,509,446.45**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची
अनुसूची '6-ग-अचल परिसंपत्तियां (वीसीए)

(राशि रुपए में)

विवरण	ब्लॉक	01.04.2022 को ह्रासित मूल्य	30.09.2022 तक परिवर्धन	30.09.2022 के बाद परिवर्धन	बिक्री/बट्टे-खाते	31.03.2023 को कुल	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31.03.2023 को ह्रासित मूल्य
पट्टा-धारित भवन	0.05	28,780,464.00	-	-	-	28,780,464.00	1,439,023.00	27,341,441.00
फ्लैट	0.05	18,522,218.00	-	-	-	18,522,218.00	926,111.55	17,596,106.45
फर्नीचर और फिक्स्चर	0.10	471,058.00	-	-	-	471,058.00	47,105.40	423,952.60
एयर कंडीशनर	0.15	48,198.00	-	-	-	48,198.00	7,229.75	40,968.25
फ़ैक्स मशीन	0.15	1,281.00	-	-	-	1,281.00	192.05	1,088.95
कार्यालय उपकरण	0.15	63,293.00	-	-	-	63,293.00	9,493.75	53,799.25
फोटोकॉपियर	0.15	8,243.00	-	-	-	8,243.00	1,236.65	7,006.35
टेलीफोन उपकरण	0.15	15,016.00	-	-	-	15,016.00	2,251.95	12,764.05
डीजी सेट	0.15	29,272.00	-	-	-	29,272.00	4,390.55	24,881.45
अग्निशमन उपकरण	0.15	8,751.00	-	-	-	8,751.00	1,312.90	7,438.10
योग		**47,947,794.00**	**-**	**-**	**-**	**47,947,794.00**	**2.438,347.55**	**45,509,446.45**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची 6-घ' - अचल परिसंपत्तियां (एमएसजी)

(राशि रुपए में)

विवरण	ब्लॉक	01.04.2022 को ह्रासित मूल्य	30.09.2022 तक परिवर्धन	30.09.2022 के बाद परिवर्धन	बिक्री/बट्टे-खाते	31.03.2023 को कुल	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31.03.2023 को ह्रासित मूल्य
पट्टा-धारित भवन	0.05	28,780,464.00	-	-	-	28,780,464.00	1,439,023.00	27,341,441.00
फ्लैट	0.05	18,522,218.00	-	-	-	18,522,218.00	926,111.55	17,596,106.45
फर्नीचर और फिक्स्चर	0.10	471,058.00	-	-	-	471,058.00	47,105.40	423,952.60
एयर कंडीशनर	0.15	48,198.00	-	-	-	48,198.00	7,229.75	40,968.25
फ़ैक्स मशीन	0.15	1,281.00	-	-	-	1,281.00	192.05	1,088.95
कार्यालय उपकरण	0.15	63,293.00	-	-	-	63,293.00	9,493.75	53,799.25
फोटोकॉपियर	0.15	8,243.00	-	-	-	8,243.00	1,236.65	7,006.35
टेलीफोन उपकरण	0.15	15,016.00	-	-	-	15,016.00	2,251.95	12,764.05
डीजी सेट	0.15	29,272.00	-	-	-	29,272.00	4,390.55	24,881.45
अग्निशमन उपकरण	0.15	8,751.00	-	-	-	8,751.00	1,312.90	7,438.10
योग		**47,947,794.00**	**-**	**-**	**-**	**47,947,794.00**	**2.438,347.55**	**45,509,446.45**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

अनुसूची '6- ङ'- अचल परिसंपत्तियां (किसान मंडी)

(राशि रुपए में)

विवरण	ब्लॉक	01.04.2022 को ह्रासित मूल्य	30.09.2022 तक परिवर्धन	30.09.2022 के बाद परिवर्धन	बिक्री/ बट्टे-खाते	31.03.2023 को कुल	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31.03.2023 को ह्रासित मूल्य
फर्नीचर और फिक्स्चर	10%	-	-	-	-	-	-	-
वाटर डिस्पेंसर	10%	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालय उपकरण								
इलेक्ट्रॉनिक स्केल	15%	-	-	-	-	-	-	-
पंखा	15%	-	-	-	-	-	-	-
बैग स्टिचिंग मशीन	15%	-	-	-	-	-	-	-
सीसीटीवी कैमरा	15%	-	-	-	-	-	-	-
हैंड पोलोट ट्रक	15%	-	-	-	-	-	-	-
छंटाई और ग्रेडिंग मशीन	15%	-	-	-	-	-	-	-
वजन तौलने की मशीन	15%	-	-	-	-	-	-	-
अग्निशामक यंत्र मशीन	15%	-	-	-	-	-	-	-
कंप्यूटर	40%	-	-	-	-	-	-	-
योग		**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

विवरण	ब्लॉक	01.04.2022 को ह्रासित मूल्य	30.09.2022 तक परिवर्धन	30.09.2022 के बाद परिवर्धन	बिक्री/बट्टे-खाते	31.03.2023 को कुल	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31.03.2023 को ह्रासित मूल्य
कम्प्यूटर	40%	238.00	-	-	-	238.00	95.00	143.00
	238.00	**-**	**-**	**-**	**238.00**	**95.00**	**143.00**	

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

अनुसूची '6-च' - अचल परिसंपत्तियां(पीएसएफ)

(राशि रुपए में)

विवरण	ब्लॉक	01.04.2022 को ह्रासित मूल्य	30.09.2022 तक परिवर्धन	30.09.2022 के बाद परिवर्धन	बिक्री/ बट्टे-खाते	31.03.2023 को कुल	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31.03.2023 को ह्रासित मूल्य
कंप्यूटर	40%	18,228.00	-	-	-	18,228.00	7,291.00	10,936.00
लैपटॉप	40%	5,418.00	-	-	-	5,418.00	2,167.00	3,251.00
स्कैनर	40%	5,950.00	-	-	-	5,950.00	2,380.00	3,570.00
डिजिटल फोलोकोपियर	15%	92,653.00	-	-	-	92,653.00	13,898 00	78,755.00
स्टील अलमारी	10%	16,801,00	-	-	-	16,801.00	1,680.00	15,121.00
योग		**139,050,00**	**-**	**-**	**-**	**139,050.00**	**27,416.00**	**111,633.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

अनुसूची '6-छ'अचल परिसंपत्तियां(ई-नाम)

(राशि रुपए में)

विवरण	ब्लॉक	01.04.2022 को ह्रासित मूल्य	30.09.2022 तक परिवर्धन	30.09.2022 के बाद परिवर्धन	बिक्री/ बट्टे-खाते	31.03.2023 को कुल	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31.03.2023 को ह्रासित मूल्य
कंप्यूटर	40%	17,310.00	-	-	-	17,310.00	6,924.00	10,386.00
कंप्यूटर और सहायक उपकरण	20%	4,116.00	-	-	-	4,116.00	823.00	3,293.00
प्रिंटर	40%	10,193.00	-	-	-	10,193.00	4,077.00	6,116.00
टेलीफोन उपकरण	15%	32,635.00	-	-	-	32,635.00	4,895.00	27,740.00
फर्नीचर और फिक्स्चर	10%	246,573.00	-	-	-	246,573.00	24,657.00	221,916.00
वीडियो कॉन्फ्रेंस उपकरण	15%	218,982.00	-	-	-	218,982.00	32,847.00	186,135.OO
वाटर डिस्पेंसर	10%	6,495.00	-	-	-	6,495.00	650.00	5,845.00
योग		**536,304,00**	**-**	**-**	**-**	**536,304.00**	**74,873.00**	**461,431.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

अनुसूची '6-ज 'अचल परिसंपत्तियां (ईजीसीजीएफ)

(राशि रुपए में)

विवरण	ब्लॉक	01.04.2022 को ह्रासित मूल्य	30.09.2022 तक परिवर्धन	30.09.2022 के बाद परिवर्धन	बिक्री/ बट्टे-खाते	31.03.2023 को कुल	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	31.03.2023 को ह्रासित मूल्य
प्रिंटर	40%	8,096.00	3,768.00	86,827.00	-	98,691.00	22,111.00	76,580.00
प्रिंटर	40%	13,528.00	-	-	-	13,528.00	5,411.00	8,117.00
विद्युतउपकरण (पंखा, आदि)	15%	-	3,000.00	-	-	3,000.00	450.00	2,550.00
कंप्यूटरगोदरेजइंटेरियो	15%	-	256,035.00	-	-	256,035.00	38,405.00	217,630.00
योग		**21,624.00**	**262,803.00**	**86,827.00**	**-**	**371,254.00**	**66,377.00**	**304,877.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची '7' : ऋण और अग्रिम

(राशि रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
गोमुख एनवायर्नमेंटल ट्रस्ट	2,250,000.00	2,250,000.00
गुड्स समारितन सोशल सर्विस एसोसिएशन	4,602,000.00	4,602,000.00
लदाख फूड्स लिमिटेड	2,500,000.00	2,500,000.00
असम एरोमा हर्ब्स लिमिटेड	420,000.00	420,000.00
योग	**9,772,000.00**	**9,772,000.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2022 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची '8' : 'अचल परिसंपत्तियां(अन्य निवेश)

(राशि रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
सावधि जमा (कॉर्पस)		
केनरा बैंक में सावधि जमा		82,000,000.00
आईडीबीआई बैंक में सावधि जमा		-
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा		3,750,000.00
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	114,500,000.00	7,500,000.00
एचडीएफसी में सावधि जमा		10,000,000.00
यूबीआई में सावधि जमा		11,250,000.00
	114,500,000.00	114,500,000.00
सावधि जमा (सामान्य)		
केनरा बैंक में सावधि जमा		240,756,838.00
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा		10,850,802.00
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	136,600,000.00	8,723,196.00
पीएनबी में सावधि जमा	2,625,419.00	-
इलाहाबाद में सावधि जमा		6,062,585.00
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा		-
भारतीय स्टेट बैंक (आरओ)		
	139,225,419.00	266,393,421.00
सावधि जमा (पीएफडीसी)		
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा		720,382.00
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा		720,383.00
केनरा बैंक में सावधि जमा		-
		1,440,765.00
सावधि जमा क्रेडिट गारंटी/इक्विटी अनुदान (ब्याज)		
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा	20,955,154.00	751,979,001.00
बैंक ऑफ महाराष्ट्र में सावधि जमा	725,000,000.00	-
कॉर्पोरेशन बैंक में सावधि जमा	20,955,154.00	
एचडीएफसी में सावधि जमा	42,439,950.30	
पंजाब नेशनल बैंक में सावधि जमा	300,000,000.00	
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	152,387,885.00	751,979,001.00
केनरा बैंक में सावधि जमा		199,000,000.00
	1,261,738,143.30	1,702,958,002.00
एफडीआर (मूल्य स्थिरीकरण कोष)		
केनरा बैंक में सावधि जमा	25,022,825,648.00	-
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	8,330,134,557.00	5,461,288,060.00
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा	23,508,750,799.00	45,868,758,884.00

	56,861,711,004.00	51,330,046,944.00
<u>सावधि जमा (डीडीए)</u>		
केनरा बैंक में सावधि जमा	-	27,485,746.00
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	58,605,971.86	14,222,910.00
एचडीएफसी बैंक में सावधि जमा	-	1,725,581.72
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा	-	6,656,133.00
इलाहाबाद बैंक में सावधि जमा	-	2,939,561.00
सावधि जमा (उपदान)		
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा	-	-
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	2,709,000.00	-
एचडीएफसी में सावधि जमा	-	264,838.40
केनरा बैंक में सावधि जमा	-	27,57,442.00
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा	-	-
सावधि जमा (टीएम)		
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	1,316,279.00	1,316,279.00
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा		1,316,279.00
केनरा बैंक में सावधि जमा		-
	62,631,250.86	58,684,770.12
सावधि जमा (एनवीआई)		
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा		92,696,413.00
केनरा बैंक में सावधि जमा		24,158,668.00
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	109,000,000.00	8,59,57,187.00
एचडीएफसी में सावधि जमा	2,242,237.00	-
	111,242,237.00	202,812,268.00
सावधि जमा(वीसीए)		
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा	41,200,000.00	-
	41,200,000.00	-
सावधि जमा (दालें)		
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा		38,904,762.00
केनरा बैंक में सावधि जमा		7,337,304.00
	91,300,000.00	55,436,645.00
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा		
	91,300,000.00	101,678,711.00
सावधि जमा(ऑटो स्वीप)		
ऑटो स्वीप-10059-BOB-सावधि जमा	9,104,768.00	-
ऑटो स्वीप-कैनरा 5717 (सामान्य)	6,000,000.00	-
ऑटो स्वीप-Corp/UB 3490 (किसान मंडी)	8,940,000.00	-
ऑटो स्वीप-एसबीआई-10172- सावधि जमा	100,000.00	
ऑटो स्वीप-एसबी-34210564422-Nam	2,140,000.00	-
ऑटो स्वीप-एसबीआई 0060 (Veg. Initiative)	249,885,434.00	
ऑटो स्वीप-एसबीआई 3437 (ईजीसीजी)	76,355,008.58	
ऑटो स्वीप-एसबीआई 4017 (डीडीए किराया)	157,299.00	
ऑटो स्वीप-एसबीआई 4263(दाल खरीद)	411,217.00	

ऑटो स्वीप-एसबीआई 6007-वीसीए (प्रतिदाय)	22,163,393.00	
सीएलसीए एफडीआर01/150001 (पीएसएफ)	13,962,970.00	-
	389,220,089.58	-
सावधि जमा एफपीओ		
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा - नारायणा	-	108,178,245.00
केनरा बैंक में सावधि जमा (एफपीओ)	-	117,718,466.00
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमा(एफपीओ)	10,477,576.00	-
	10,477,576.00	225,896,711.00
आरओ सहित एफडीआर पर अर्जित ब्याज	1,124,350.34	89,575,056.34
योग	**59,084,370,070.08**	**54,093,986,648.46**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची
अनुसूची 9- चालू परिसंपत्तियां

(रुपये में राशि)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
हाथ में नकदी शेष (चेक/ड्राफ्ट और अग्रिम सहित) (आर.ओ.)		-
हाथ में नकदी शेष (आर.ओ.)		-
बैंकशेष: चालू खाते		
एसबीआई A/C 31225587821	144,844.30	16,419.50
एसबीआई C/A 30054208902	2,189,339.52	2,189,339.52
एसबीआई C/A 30054209462		-
एसबीआई C/A 30054210172	182,023.00	75,065,763.90
एसबीआई C/A 3027554017	11,945.80	378,103.14
एसबीआई C/A 30717006007	104,885.01	7,742,800.01
एसबीआई C/A 31806790060(Veg.initative)	516,223.24	2,301,405.74
एसबीआई C/A 31942495311(PFDC)	-	87,460.50
एसबीआई C/A 32438354263	(21,395.23)	1,086,303.15
एसबीआई C/A 34210564422	43,046.55	74,361,814.55
एसबीपी C/A NO 65175133299	-	-
एसबीपी C/A-00000065175133437	(168,427.00)	6,346,082.60
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया C/A-1626	4,871,395.17	8,609,506.74
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया C/A-3490	499,613.07	37,043,049.87
बचतखाते		
एक्सिस बैंक A/c 920010072086429 आर ओ गुवाहाटी	1,213,265.00	1,186,250.00
बैंक ऑफ बडौदा 22750100010059 FPO's	551,340.50	1,218,327,583.00
बैंक ऑफ बडौदा 22750100027293 FFPO's	335,687,500.00	-
बैंक ऑफ महाराष्ट्र 60383069774 वीसीए प्रतिदाय	340,024,650.84	258,802,660.27
कैनरा बैंक S/A 35717	(5,194,465.25)	32,348,138.75
CNA A/c No. 41066951386-एसबीआई-FPO	2,334,125,810.69	
एचडीएफसी 50100258490301 GP	1,414,817.66	1,244,411.36
एचडीएफसी 50100258887201 GK	642,183.00	623,273.00
एसबीआई A/C 38271781594 (PM-Kisan)	10,086,434.50	2,141,288.07
एसबीआई S/A 10429084505	1,015,589.85	10,648,646.28
एसबीआई Saving Bank A/c (R.O.)	469,275.58	4,043,620.58
एसबीपी S/A 65224687574	2,447,332,490.03	3,533,815,885.92
विविध देनदार		
मैसर्स कृष्ण फूड्स		(401.00)
मैसर्स घनश्यामदास महेश कुमार		-
मैसर्स भोलू लाल सत्यनारायण-राज		-
मैसर्स ज्योति प्रसाद एंड कंपनी		-
मैसर्स अग्रसेन ब्रदर्स		-
मैसर्स नेफेड		646,260,770.50
मैसर्स गावरव ट्रेडर्स	373,083,743.89	-
मैसर्स मोदीगुन्नी ट्रेडर्स		1.00
मैसर्स राज ट्रेडर्स		(4,050.00)
मैसर्स श्याम ट्रेडर्स		(163,800.00)
मैसर्स गोपाल उद्योग		-
मैसर्सजे.आर. इंडस्ट्रीज		(99.45)
मैसर्स संजयदल इंडस्ट्रीज		-
मैसर्स श्रीराम उद्योग		(101.00)

मैसर्स यमुना पल्सेस		-
मैसर्स तमिलनाडु सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन	(98,280.00)	(98,280.00)
मैसर्स वेंकटेश इंडस्ट्रीज		1,465.00
योग	**5,848,537,376,72**	**5,924,213,762.50**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी प्रबंध निदेशक	संजीव कुमार गौतम निदेशक
डॉ. रंजीत सिंह राजपूत उप निदेशक	राजेश भटनागर प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची 9- चालू परिसंपत्तियां

(रुपये में राशि)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
प्रतिभूति जमा		
प्रतिभूति जमा (प्रबंध निदेशक के लिए एयरटेल लैंडलाइन)	1,000.00	1,000.00
प्रतिभूति जमा (सीएनजी)	15,000.00	15,000.00
प्रतिभूति जमा डीडीए फ्लैट (बिजलीमीटर)	107,100.00	107,100.00
प्रतिभूति जमा डीडीए फ्लैट (पानीमीटर)	7,840.00	7,840.00
प्रतिभूति जमा (बिजलीमीटर)	2,500.00	2,500.00
प्रतिभूति जमा फ्लैट 36-टी आईजीएल गैस कनेक्शन	7,000.00	-
प्रतिभूति जमा (एन सी डी ई एक्स स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड)	783,708.00	783,708.00
प्रतिभूति जमा ऑफिस किराया आर.ओ. गुवाहाटी	60,000.00	
प्रतिभूति जमा (किराया)	60,000.00	60,000.00
प्रतिभूति जमा (टेलीफोन)	24,420.00	24,420.00
प्रतिभूति जमा (पानीमीटर)	3,750.00	3,750.00
प्रतिभूति जमा (एनएससी)	20,000.00	20,000.00
प्रतिभूति जमा (सीएसटी)	10,000.00	10,000.00
प्रतिभूति जमा (वाईएटी)	10,000.00	10,000.00
टेलीफोन प्रतिभूति (आर.ओ.)	2,500.00	
प्रतिभूति जमा (जीएम, दिल्ली दुग्ध योजना)		6,000.00
प्रतिभूति जमा (गोकलचंद/जितेश यादव, केएम)		-
प्रतिभूति जमा (विज्ञान भवन-ई-नाम)		56,400.00
प्रतिभूति जमा (भारती एयरटेल लिमिटेड)	5,725.00	5,725.00
आयकर (प्रतिदाय)		
निर्धारण वर्ष 2010-11		-
निर्धारण वर्ष 2012-13	743,950.00	743,950.00
निर्धारण वर्ष 2016-17	8,190,248.00	8,190,248.00
निर्धारण वर्ष 2018-19		-
निर्धारण वर्ष 2019-20	8,166,358.00	8,166,358.00
निर्धारण वर्ष 2020-21	1,709,514.00	1,709,514.00
निर्धारण वर्ष 2021-22		-
अन्य अग्रिम		
अग्रिम मैसर्स सिनर्जी टेक्नोफिन प्राइवेट लिमिटेड		
योजना के लिए प्राप्य राशि		154,252,607.70
क्रेडिट गारंटी		
प्राप्य खर्चे(विविध)	25,723.00	244.00
किसान मंडी को ऋण	3,000,000.00	3,000,000.00
राष्ट्रीय सब्जी निरीक्षण (प्राप्य)		35,161,213.00
अन्य अग्रिम	15,932.00	11,000.00
पी एस एफ (प्रशासन व्यय		2,496,000.00
पी एस एफ (इतिस्टॉक)	52,085,973.52	25,256,446.39
पी एस एस		
प्राप्य किराया(एपीडा)		66,150.00
प्राप्य किराया (ईसीजीसी)		-
प्राप्य किराया (एनएचबी)	576,440.00	576,440.00
टीएअग्रिम		

प्राप्य टीडीएस	1,903,655.20	1,457,562.85
टेलीफोन प्रतिभूति (आर.ओ.)		2,500.00
न्यूनतम समर्थन मूल्य - (दालें)		
दूसरा सीजन	1,306.08	-
एफएफपीजीएस (पश्चिम बंगाल) प्राप्य	124,587.00	-
वीआईयूसी का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन (प्राप्य)	1,867,873.00	-
झारखंड प्राप्य एनवीआई	4,469,099.00	-
कर्नाटक दाल प्राप्य	699,654.00	-
उत्तर प्रदेश प्राप्य दालें	28,000,000.00	-
प्राप्य (पीएसएफ)	277,430,535.95	-
पीएसएस		-
योग (ख)	**390,131,391.75**	**242,203,676.94**
योग (क+ख)	**6,238,668,768.47**	**6,166,417,439.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आयऔर व्यय का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची 10- सेवाओं से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
सेवाओं से आय		
सेवा शुल्क (पीएसएस/पीएसएफ/एफपीओ/अन्य)	33,000,000.00	38,646,840.00
सेवा शुल्क (आरओ)	5,252,167.00	
अन्य आय	4,548.82	-
एसबीएफ (बफर स्टॉक)		
प्रापण विक्रय से आय		3.00
योग	**38,256,715.82**	**38,646,843.00**

अनुसूची 11- अर्जित ब्याज

(राशि रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
सावधि जमा:		
एफडी आर पर ब्याज	40,842,988.65	46,675,710.06
एफडीआर (आर.ओ) परब्याज	-	-
बचत खाते:		
अनुसूची बैंकों में	12,410,582.00	16,907,641.00
अन्य बैंकों में		
एचडीएफसी -GP Bank A/c no:-90301	56,131.00	-
एचडीएफसी 7201 GK	18,910.00	-
Bank A/c no:- 10055622468 (आर.ओ)	27,015.00	18,057.00
वीसीए:		
ब्याज आय	-	100,000.00
ब्याज प्रतिदाय	-	2,547,246.00
अन्य		
आयकर प्रतिदाय पर ब्याज	-	-
योग	**53,355,626.65**	**66,248,654.06**

अनुसूची 12-अन्य आय

(राशि रुपएमें)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
विविध आय	797,526.57	134,134.60
किराया आय	4,288,822.00	7,096,948.00
लाइसेंस शुल्क (डीडीएफ्लैट्स)	21,270.00	25,630.00
लेनदार बट्टेखाते	-	-
अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री-सामान्य	-	-
चिकित्सा योगदान (डी भुयान-पूर्व निदेशक)	1,750.00	3,500.00
योग	**5,109,368.57**	**7,260,212.60**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का अंग बनने वाली अनुसूची

अनुसूची 13- स्थापना और अन्य प्रशासनिक खर्च

(राशि रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष
सामान्य निधि व्यय	32,150,038.65	15,969,718.03
किराये का खर्च (डीडीए फ्लैट-एसएफएसी)	455,949.00	443,875.00
योग	**32,605,987.65**	**16,413,593.03**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते का अंग बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 13- स्थापना और अन्य प्रशासनिक खर्चे आदि

अनुसूची -13 क सामान्य निधि व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष		योग	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष		योग
	एच.ओ.	आर.ओ.		एच.ओ.	आर.ओ.	
विज्ञापन खर्च	115,428.00	-	115,428.00			
वार्षिक दिवस समारोह (सामान्य निधि)	-	-	-	20,770.00		20,770.00
परिसंपत्तियां निधि	-	-	-	-		-
लेखा परीक्षा शुल्क	-	-	-	-		-
बैंक प्रभार(1594)	-	-	-	(11.80)		(11.80)
बैंक प्रभार (सामान्य निधि)	385.57	-	385.57	2,109.84		2,109.84
आकस्मिक/परिवहन खर्चे	126,700.08	-	126,700.08	21,437.00		21,437.00
देनदार-बट्टेखाते	-	-	-	9,264.40		9,264.40
10000 एफपीओ के अंतर्गत सम्यक तत्परता	3,886,800.00	-	3,886,800.00			
बिजली और पानी	-	-	-	-		-
मनोरंजन और आतिथ्य	-	-	-	-		-
ईपीएफ नियोक्ता का योगदान	81,131.00	-	81,131.00			-
ई-टीडीएस रिटर्नफाइलिंग शुल्क	-	-	-			-
खरीदी गई अचल संपत्तियां	248,319.00	-	248,319.00			
उपदान	13,853,484.00	-	13,853,484.00			
आयकर	-	-	-	9,607,246.00		9,607,246.00
आयकर पर ब्याज	-	-	-	1,842,607.00		1,842,607.00
टीडीएस पर ब्याज	-	-	-			-
विधिक खर्चे	-	-	-			-
खरीद पर नुकसान	-	-	-	-	-	-

कंप्यूटरों का रखरखाव	-	-	-	-		-
चिकित्सा	43,152.00	-	43,152.00	20,530.00		20,530.00
बैठक और संगोष्ठी व्यय	227,294.00	-	227,294.00	13,100.00		13,100.00
बैठक/सेमिनार आदि	-	-	-			
सदस्यता शुल्क औ रसदस्यता	10,030.00	-	10,030.00	10,030.00		10,030.00
विविध व्यय	19,784.00	-	19,784.00	-		-
एफपीओ का मूल्यांकन और मूल्यांकन	-	-	-	643,100.00		643,100.00
समाचार-पत्र, पुस्तकें और प्रकाशन	-	-	-			-
कार्यालय भवन व्यय	-	-	-			-
आउटसोर्सिंग - जीनियस/वेतन	-	-	-	532,356.00		532,356.00
दण्ड	-	-	-	-		-
फोटोस्टेट	-	-	-	-		-
डाक और टेलीग्राम	-	-	-	-		-
मूल्य स्थिरीकरण निधि (बफरस्टॉक)	-	-	-	5.00		5.00
मुद्रण/प्रकाशन/लेखनसामग्री	69,552.00	-	69,552.00	94,857.00		94,857.00
पूर्व अवधि के खर्च	-	-	-	-		-
व्यावसायिक शुल्क	3,780,255.00	-	3,780,255.00	21,000.00		21,000.00
किराया	-	-	-	-		-
मरम्मत और रखरखाव	146,746.00	-	146,746.00	29,834.00		29,834.00
पूर्णांकित	-	-	-	2.59		2.59
वेतन और भत्ते - एफपीओ	8,488,232.00	473,880.00	8,962,112.00	2,701,573.00		2,701,573.00
कमी और अधिक	-	-	-	22.00		22.00
रजत जयंती खर्च/कोविडखर्च	-	-	-	-		-
कर्मचारी कल्याण	211,531.00	-	211,531.00	238,960.00		238,960.00
टेलीफोन-कर्मचारी और कार्यालय	4,840.00	-	4,840.00	1,000.00		1,000.00
स्थानांतरण टीए / सीटीजी	-	-	-	-		-
यात्रा व्यय	340,023.00	-	340,023.00	159,926.00		159,926.00
वाहन किराया शुल्क	22,472.00	-	22,472.00			-
योग	**31,676,158.65**	**473,880.00**	**32,150,038.65**	**15,969,718.03**	**-**	**15,969,718.03**

अनुसूची-13ख

किराये का खर्च (डीडीएफ्लैट-एस एफ ए सी)

विवरण	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष		योग	31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष		योग
	एच.ओ.	आर.ओ.		एच.ओ.	आर.ओ.	
बिजली और पानी प्रभार	4,012.00	-	4,012.00			-
फ्लैटों का रखरखाव	324,294.00	-	324,294.00	3,345.00		3,345.00
संपत्तिकर (डीडीएफ्लैट्स)	127,643.00	-	127,643.00	440,530.00		440,530.00
योग	**455,949.00**		**455,949.00**	**443,875.00**	**-**	**443,875.00**

कुल योग	**32,132,107.65**	**473,880.00**	**32,605,987.65**	**16,413,593.00**	**-**	**16,413,593.00**

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

लघु कृषक कृषि व्यापार संघ, नई दिल्ली

लेखा नीतियां और लेखों का अंग बनने वाले लेखों पर टिप्पणियां

31 मार्च, 2022 तक तुलन-पत्र का अंग बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 14 और 15

लेखांकन नीतियां

1. लेखा की व्यापारिक प्रणाली का अनुसरण करते हुए ऐतिहासिक लागत पर संचलन के आधार पर, आय को उपार्जन आधार पर और व्यय को हाइब्रिड आधार पर मान्यता देते हुए, जब तक लेखांकन नीतियां विशेष रूप से अन्यथा संदर्भित नहीं हैं, प्रायः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप,लेखे तैयार किए जाते है।

2. एसएफएसी के अनुदान-सहायता और सामान्य निधि लेखे से प्राप्त अचल संपत्तियां को उन पर भौतिक और वित्तीय नियंत्रण रखने के लिए तुलन-पत्र के अंतर्गत अचल परिसम्पत्तियों में अंतरित कर दिया जाता है।

3. अचल परिसम्पत्तियों को संचित मूल्यह्रास कम करके मूल्य पर आंका जाता है। अचल परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास आयकर नियमा, 1962 में निर्धारित दरों पर प्रतिलेखित मूल्य विधि के अनुसार प्रदान किया जाता है। मूल्यह्रास निम्न दरों पर लगाया गया है:

कार्यालय भवन	10%
आवासीय भवन	5%
कार्यालय उपकरण	15%
फर्नीचर और फिक्स्चर	10%
वाहन	40%
कंप्यूटर	40%

4. निवेश का मूल्याङ्कन लागत पर किया जाता हैं और यह उद्‌धृत नहीं होता है।

5. सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ सीसी सीमा के विरुद्ध बकाया का निपटान कर दिया गया है और यूबीआई के साथसीसी खाता बंद कर दिया गया है।

6. जिन मामलों में वीसीए प्रतिदाय प्राप्त/लंबित/मुकदमेबाजी के अधीन हैं, उन्हें वित्तीय विवरणों में संलग्न किया गया है (अनुलग्नक-1)

प्रतिदाय के लिए देय मामलों की कुल संख्या-1935
देय कुल राशि-5,58,57,22,000.00
प्रतिदाय प्राप्त करने वाले मामलों की कुल संख्या-1557
कुल प्रतिदाय राशि-
4,23,67,19,571.00
कुल लंबित मामले-378
कुल लंबित राशि-1,34,90,02,429.00

7. इक्विटी अनुदान और क्रेडिट गारंटी निधि योजना पर 31.03.2022 तक की अवधि के लिए 64.09 करोड़ रुपये का अर्जित ब्याज भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार के समेकित फंड में हस्तांतरित किया गया है।

8.विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त अनुदान निधियों को अलग-अलग दर्शाया गया है और आवश्यकताओं के अनुसार उपयोग किया गया है। प्रशासनिक प्रभारों और अन्य सेवा प्रभारों का भुगतान व्यक्तिगत योजना के मानदंडों के अनुसार किया गया है।

9. योजनाओं के प्रशासनिक व्यय को संबंधित योजना अनुपत्र में दर्शाया गया है। आय और व्यय लेखा में केवल सामान्य निधि का व्यय दर्शाया जाता है।

कृते बिंद्रा एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन संख्या 004434N

सीए. मोहिंदर पाल सिंह
साझेदार
सदस्यता संख्या 082220

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 27.09.2023

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

क्र.सं.	ऋणदाता बैंक का नाम	एफपीसी का नाम	राज्य	क्रेडिट गारंटी कवर (रुपए लाख में)
1	बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	सोडावास किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	13.60
2	एनकेएफएल	प्रगति युवा केंद्रम फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	आंध्र प्रदेश	16.83
3	एनकेएफएल	गुजप्रो एग्रीबिजनेस कंसोर्टियम प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	गुजरात	85.00
4	एनकेएफएल	ओखामंडल फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	गुजरात	21.25
5	एनकेएफएल	चुरेशावर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	हिमाचल प्रदेश	10.20
6	एनकेएफएल	अमृतुर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	कर्नाटक	17.00
7	एनकेएफएल	मुला प्रवर एग्रोरिटेल्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	21.12
8	एनकेएफएल	मुलामाई एग्रो फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	25.50
9	एनकेएफएल	नेचुरल फार्म्स एंड एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	21.25
10	एनकेएफएल	रायश्री फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	9.18
11	एनकेएफएल	रावसाहेब पाटिल एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	8.50
12	एनकेएफएल	साई प्रवर शेतकारी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	51.00
13	एनकेएफएल	श्री बालनाथ फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	33.50
14	एनकेएफएल	पटोली एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	8.50
15	एनकेएफएल	पीपल्दा खेतिहार एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	12.26
16	एनकेएफएल	सरनगिति किसान एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	25.50
17	एनकेएफएल	ऐंधीनई फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	22.10
18	एनकेएफएल	विलाथिकुलम पुदुर पल्सेस प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	25.50
19	एनकेएफएल	मुगावई फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	17.00
20	एचडीएफसी	कॉफी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	मध्य प्रदेश	17.00
21	आईडीबीआई बैंक	मध्यभारत कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	मध्य प्रदेश	85.00
22	एनकेएफएल	अथार्वेदी नारियल फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	आंध्र प्रदेश	17.00
23	एनकेएफएल	पलनाडु हॉर्टिकल्चर फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	आंध्र प्रदेश	17.00
24	एनकेएफएल	मान्यादीपिका फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	आंध्र प्रदेश	25.50
25	एनकेएफएल	बालोद फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	छत्तीसगढ़	11.90
26	एनकेएफएल	हिंदुस्तान फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	छत्तीसगढ़	17.00
27	एनकेएफएल	उनत फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	छत्तीसगढ़	10.20
28	एनकेएफएल	बंधुत्व फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	गुजरात	17.00
29	एनकेएफएल	रायथास्पूर्थी कृषि विकास प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	कर्नाटक	25.50
30	एनकेएफएल	वैनगंगा एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	मध्य प्रदेश	17.85
31	एनकेएफएल	जलधारा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	17.00
32	एनकेएफएल	चौरंगीनाथ एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	17.00
33	एनकेएफएल	फैमिली फार्मिंग प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	12.75

34	एनकेएफएल	फ्रेश एक्सप्रेस फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	12.75
35	एनकेएफएल	नमरत्न फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	21.25
36	एनकेएफएल	निसर्ग विकास प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	41.29
37	एनकेएफएल	शिवात्मा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	2.55
38	एनकेएफएल	स्वर्णसंधि फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	12.75
39	एनकेएफएल	वर्चुअल एग्रो फार्म प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	21.25
40	एनकेएफएल	तस्टीवी वेज प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	6.80
41	एनकेएफएल	साईराज फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	17.00
42	एनकेएफएल	सबुइया साथी फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	15.30
43	एनकेएफएल	अलोद किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	17.00
44	एनकेएफएल	पुष्कर रूरल एग्रीकल्चर यूथ एंड एंप्लॉयमेंट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	21.25
45	एनकेएफएल	त्रिवेणी संगम किसान एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	8.50
46	एनकेएफएल	उत्थान मस्टर्ड प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	34.00
47	एनकेएफएल	नवजागृति कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	8.50
48	एनकेएफएल	अरम्पू फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	21.25
49	एनकेएफएल	गोमुकी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	12.75
50	एनकेएफएल	नवाधान्य फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	8.50
51	एनकेएफएल	नेसारा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	12.75
52	एनकेएफएल	रामनाद मुंडू चिली प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	51.00
53	एनकेएफएल	सिरुमलाई वेजीटेबल्स फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	8.50
54	एनकेएफएल	अगाथियार फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	8.50
55	एनकेएफएल	इलौर एग्रीकल्चर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	22.53
56	एनकेएफएल	नलमथा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	8.50
57	एनकेएफएल	डब्ल्यूईएफएसए फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	34.00
58	एनकेएफएल	ट्रेडिनशनल स्मॉल मिलेट्स हर्बल प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड लिमिटेड,	तमिलनाडु	4.25
59	एनकेएफएल	लेहरा एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	उत्तर प्रदेश	4.25
60	एनकेएफएल	अहमदपुर अयिकातियान फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	पश्चिम बंगाल	8.50
61	एनकेएफएल	जॉयगुरु फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	पश्चिम बंगाल	8.50
62	एसबीआई	बीबीडब्ल्यूएस फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तेलंगाना	15.30
63	एसबीआई	बेइउर फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तेलंगाना	15.30
64	यस बैंक	अजयमेरु किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	51.00
65	कैनरा	मायक्योर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	हरियाणा	24.57
66	कैनरा	विलाथिकुलम पुदुर पल्सेस प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	51.00
67	एनकेएफएल	बीदर हॉर्टिकल्चर फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	कर्नाटक	25.50
68	एनकेएफएल	हसीरू फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	कर्नाटक	21.25
69	एनकेएफएल	इंडियन ऑर्गेनिक फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	केरल	42.50

70	एनकेएफएल	सिरोंज क्रॉप्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	मध्य प्रदेश	59.50
71	एनकेएफएल	जमनादी खोरे फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	25.50
72	एनकेएफएल	कृषिसागर फार्म कल्टीवेटर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	15.30
73	एनकेएफएल	लक्ष्मी कृषि विकास प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	21.25
74	एनकेएफएल	घृष्णेश्वर शेतकारी एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	63.75
75	एनकेएफएल	अल्लारनाथ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	37.57
76	एनकेएफएल	बामुनिखोल प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	2.98
77	एनकेएफएल	जैविक श्री फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	4.25
78	एनकेएफएल	साईराज फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	3.96
79	एनकेएफएल	तमानाडा महिला एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	17.00
80	एनकेएफएल	मारवाड़ किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	6.80
81	एनकेएफएल	अम्बुलियारू एग्रीकल्चर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	17.00
82	एनकेएफएल	जहीराबाद.फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तेलंगाना	8.50
83	एनकेएफएल	एनबीपीओ एग्रो फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	पश्चिम बंगाल	8.50
84	एनकेएफएल	पताशपुर-द्वितीय फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	पश्चिम बंगाल	15.30
85	एसबीआई	पूर्वांचा जे पोल्ट्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	उत्तर प्रदेश	85.00
86	बीओआई	शेटमल एग्री प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	महाराष्ट्र	21.25
87	एनकेएफएल	मां अन्नपूर्णा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	बिहार	8.50
88	एनकेएफएल	कोल्लापुरदम्मा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	कर्नाटक	17.00
89	एनकेएफएल	ध्रसंपदा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	मध्य प्रदेश	8.93
90	एनकेएफएल	गदापति चिली प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	8.21
91	एनकेएफएल	सुवर्णरेखा एग्रीकल्चर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	ओडिशा	18.96
92	एनकेएफएल	कृषकमित्र एग्रीकल्चर मार्केटिंग एंड एक्सपोर्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	21.25
93	एनकेएफएल	स्पेक्ट्रा आदर्श उत्पादक महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	राजस्थान	6.38
94	एनकेएफएल	कट्टंगुर फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तेलंगाना	17.00
95	एनकेएफएल	बरेली किसान एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	उत्तर प्रदेश	14.88
96	एनकेएफएल	नबजागरन ग्लोबल फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	पश्चिम बंगाल	51.00
97	एसबीआई	कलमेश्वर किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड	कर्नाटक	12.75
98	एसबीआई	रामनाथपुरम फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	तमिलनाडु	42.50
99	एसबीआई	गुलेंडर एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड	पश्चिम बंगाल	6.80
		योग		**2100.41**

1. ऋण गारंटी योजना के मुकाबले एसएफएसी ने 2100.41 लाख रुपये की ऋण गारंटी के 99 मामलों को कवर किया है, जिसके लिए देयता सृजित की गई है। आज की तारीख तक कोई गारंटी लागू नहीं की गई है क्योंकि कोई भुगतान परिलक्षित नहीं हुआ है। एफ/ओ एफपीसी में जारी की गई गारंटी की शर्तें निम्नानुसार हैं:

एसएफएसी द्वारा क्रेडिट गारंटी कवर की सूची

2. सोसायटी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23 सी) (iv) के तहत डीजीआईटी (ई)/10 (23सी) (iv)/2011 आदेश एफ द्वारा अनुमोदित किया गया है। इसकी आय का 15% से अधिक की राशि अनुप्रयोग के लिए जमा की जाती है, पूरी तरह से और विशेष रूप से उन वस्तुओं के लिए जिनके लिए यह स्थापित है।

3. तृतीय-पक्ष की पुष्टि के अभाव में, देनदारों, लेनदारों, प्रतिभूति जमा और पार्टियों को दिए गए अग्रिमों की शेष राशि सोसायटी के रिकॉर्ड के अनुसार ली गई है।

4. इस वित्तीय वर्ष में अपनाए गए प्रारूप पर आम सहमति बनाने के लिए पिछले वर्ष के आंकड़ों को, यथावश्यक पुनः व्यवस्थित और पुनर्गठित किया गया है।

कृते बिंद्रा एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन संख्या 004434N

कृते लघु कृषक कृषि व्यापार संघ

सीए. मोहिंदर पाल सिंह
साझेदार
सदस्यता संख्या 082220

डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी
प्रबंध निदेशक

संजीव कुमार गौतम
निदेशक

दिनांक: 27.09.2023
स्थान: नई दिल्ली

डॉ. रंजीत सिंह राजपूत
उप निदेशक

राजेश भटनागर
प्रबंधक (वित्त)

SFAC
लघु कृषक
कृषि व्यापार संघ

Small Farmers' Agribusiness Consortium

(Society sponsored by Dept. of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India)
5th Floor, NCUI Auditorium Building, August Kranti Marg
Hauz Khas, New Delhi-110016
Tel : +91-11-41060075, 41056163
E-mail: sfac@nic.in • Website : www.sfacindia.com